RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः299, सोमवार, 10 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

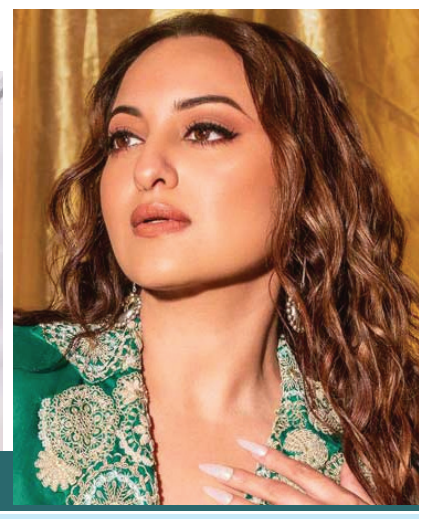

जिले के सभी 4095 मतदान केंद्रों पर अर्धसैनिक बलों की होगी तैनाती, सभी बूथों से होगी लाइव 03

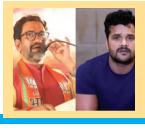

निरहुआ का वारः "अश्लील गानों के उस्ताद खेसारी के साथ घूमते हैं तेजस्वी ... 04

डबल एक्सएल की वर्षगांठ पर सोनाक्षी ने साझा की यादे... 07

राजस्थान में 2026-27 सेशन से दो बार होगा बोर्ड एग्जाम

- भजनलाल सरकार का बड़ा ऐलान पहला एग्जाम देना होगा जरूरी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान सरकार ने स्कूलों के एग्जामिनेशन सिस्टम में बदलाव करने के लिए बड़े बदलाव की घोषणा की है। इससे स्टूडेंट्स के ऊपर एग्जाम प्रेशर कम होगा, फ्लेग्जिबिलिटी बढ़ेगी और ज्यादा से ज्यादा स्टूडेंट्स बेहतर स्कोर हासिल कर पाएंगे। राजस्थान के स्कूल एजुकेशन और पंचायती राज मिनिस्टर मदन दिलावर ने कहा है कि राजस्थान

बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, अजमेर एकेडमिक सेशन 2026-27 से 10वीं और 12वीं क्लासेज के लिए साल में दो बार बोर्ड एग्जाम्स कराएगा। कोटा के गणेश नगर में हो रहे एक पब्लिक इवेंट के दौरान उन्होंने यह बात कही। नए सिस्टम के अनुसार सभी स्टूडेंट्स के लिए पहला यानी मेन बोर्ड एग्जाम देना जरूरी होगा। यह एग्जाम फरवरी-मार्च के समय पर होगा। इसके बाद मई-जून के समय बोर्ड एग्जाम्स का दूसरा सेशन होगा, जिसमें स्टूडेंट्स के पास अपने मार्क्स सुधारने का मौका होगा।

गुजरात की एटीएस ने तीन संदिग्ध आतंकियों को पकड़ा

- बड़ी आतंकी गतिविधि को विफल करने का किया दावा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात एटीएस ने भारत में बड़े आतंकी हमले को टालने का दावा किया है। एटीएस ने कुल तीन संदिग्धों को दबोचा है। एटीएस के अनुसार मुख्य आरोपी के पास से दो ग्लॉक पिस्तौल, एक बेरेटा पिस्तौल, 30 जिंदा कारतूस और 4 लीटर अरंडी का तेल बरामद किया गया है। एटीएस

के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि सूचना मिली थी कि हैदराबाद का एक व्यक्ति सैयद अहमद मोहिउद्दीन आतंकी गतिविधियों में शामिल है और उसी के लिए अहमदाबाद आने वाला है। इसके बाद जांच की गई तो अहमदाबाद में उसकी गतिविधि का पता चला। उसे अडालज के पास एक टोल प्लाजा पर गिरफ्तार किया गया। डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि सैयद अहमद मोहिउद्दीन ने चीन से एमबीबीएस किया है। वह भारत एक ऐसी आतंकी गतिविधि को अंजाम देना चाहता था जिससे भारी नुकसान हो। वह कई विदेशियों के संपर्क में था। वह अबू खदीजा नाम की एक टेलीग्राम आईडी के संपर्क में था, जो कथित तौर पर आईएसकेपी (इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रांत) से जुड़ा था।

जापान में आया 6.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

- तेज झटकों के बाद सुनामी की चेतावनी, तबाही की आशंका से दहशत

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में भूकंप के बेहद तेज झटके महसूस किए गए हैं। स्थानीय समय के हिसाब से रविवार शाम उत्तरी जापान के तट पर शक्तिशाली भूकंप आया है। इससे इवाते प्रान्त में बड़े नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 6.7 मापी गई, जिसे खतरनाक श्रेणी में रखा जाता है। यह

शक्तिशाली भूकंप शाम 5.03 बजे (स्थानीय समयानुसार) आया। भूकंप से हुए नुकसान के बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है। एजेंसी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र इवाते प्रांत के तट पर समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इस दौरान इवाते के कुछ हिस्सों में आए भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई। भूकंप के बाद जापान में सुनामी का खतरा मंडरा रहा है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने एक मीटर (तीन फीट) ऊंची सुनामी उठने की चेतावनी जारी की है। इससे स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। जापान उन देशों में शुमार है, जहां दुनिया में सबसे ज्यादा भूकंप आते हैं। प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर पर स्थित होने के चलते यहां कई टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं।

उत्तराखंड के 25 साल पूरे, पीएम ने दी बड़ी सौगात

मोदी ने की 8 हजार करोड़ की परियोजनाओं की शुरुआत

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के 25 साल पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश को 8,260 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी।

- रजत जयंती समारोह में पहुंचे मोदी ने बच्चों से किया दुलार

रजत जयंती समारोह में उन्होंने बच्चों तथा लाभार्थियों से संवाद भी किया। इन परियोजनाओं में पेयजल आपूर्ति, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास जैसे क्षेत्र शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पारंपरिक ढोल-वाद्य यंत्रों से उनका भव्य स्वागत किया। बच्चों ने प्रधानमंत्री को गुलाब का फूल भेंट किया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एफआरआई में एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बुजुर्गों और अन्य लाभार्थियों से संवाद किया। इसके बाद उन्होंने राज्य में 8,140 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का

शुभारंभ और लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने जिन परियोजनाओं का शुभारंभ किया, उनमें देहरादून शहर के 23 जोनों में पेयजल आपूर्ति बढ़ाने के लिए अमृत योजना के तहत जलापूर्ति परियोजना शामिल है। पिथौरागढ़ जिले में इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन का भी शुभारंभ किया गया। सरकारी भवनों में सोलर पावर प्लांट की स्थापना और नैनीताल के हल्द्वानी स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड का निर्माण परियोजनाओं का हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर कहा कि देवभूमि उत्तराखंड आज विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दशक उत्तराखंड के तेज विकास का दशक साबित होगा। मोदी ने कहा कि वेडिंग डेस्टिनेशन में भी उत्तराखंड लोकप्रिय हो रहा है। मेरा अभियान है- वेड इन इंडिया। साथियों ने देश ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया है। इसका रास्ता वोकल फॉर लोकल से पूरा होगा। मुझे खुशी है कि यहां अभियान को तेज गति मिली है। यहां 15 कृषि उत्पादों को जीआई टैग मिला है। बद्री गाय का घी पहाड़ के हर घर की शान है।

बिहार चुनाव

दूसरे फेज की 122 सीटों पर थम गया चुनावी शोर

- वोटिंग कल, नेपाल बॉर्डर 11 नवंबर तक रहेगा सील

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज की 20 जिलों की 122 सीटों पर चुनाव प्रचार खत्म हो गया। इन सीटों पर वोटिंग 11

नंवबर को होगी। सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है या फिर अंतिम चरण में हैं। चुनाव आयोग ने 14 नवंबर को मतगणना की तारीख तय की है। बिहार में दूसरे चरण के मतदान से पहले भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी बढ़ा दी गई है। भारत-नेपाल बॉर्डर को 11 नवंबर की रात तक सील कर दी गई है। इस दौरान सीमा पर लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी गई है। बिहार में दूसरे चरण की रण में 20 जिलों की 122 विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को सुबह सात बजे से मतदान होगा।

संघ को 3 बार बैन किया तब जाकर मान्यता मिली

भागवत बोले-आरएसएस भगवा को गुरु मानता है, लेकिन तिरंगे का बहुत सम्मान करते हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि हमारे संगठन को व्यक्तियों के एक निकाय के रूप में मान्यता दी जाती है। संघ की 1925 में स्थापना हुई थी। क्या आपको लगता है कि ब्रिटिश सरकार इसका रजिस्ट्रेशन करती। असल में कांग्रेस आरोप लगाती है कि आरएसएस बिना रजिस्ट्रेशन के ही चलने वाला संगठन है। भागवत ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने

रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य नहीं किया। हम लोगों के समूह की श्रेणी में आते हैं और हम एक जाना-माना संगठन हैं। इनकम टैक्स विभाग और अदालतें आरएसएस को लोगों का समूह मानती हैं। हमारे संगठन को इनकम टैक्स से छूट दी गई थी। भागवत ने कहा कि संगठन को तीन बार बैन किया गया। इसके बाद हमारे संगठन को मान्यता दे दी।

भारत में कोई अहिंदू नहीं सभी हिंदू है

यहां के सभी मुसलमान और ईसाई भी उन्हीं पूर्वजों के वंशज हैं। शायद वे भूल गए हैं या उन्हें भुला दिया गया है। भारत में कोई अहिंदू नहीं है। हमारा राष्ट्र ब्रिटिशों की देन नहीं है। हम सदियों से एक राष्ट्र हैं। दुनिया के हर देश की एक मूल संस्कृति होती है।

हिंदू होना मतलब भारत के प्रति जिम्मेदारी लेना

भारत में कोई 'अहिंदू' नहीं है। हर व्यक्ति चाहे जाने या न जाने, भारतीय संस्कृति का पालन करता है। इसलिए हर हिंदू को यह समझना चाहिए कि हिंदू होना मतलब भारत के प्रति जिम्मेदारी लेना है। भारत का हिंदू राष्ट्र होना किसी बात के विरोध में नहीं है।

कश्मीर में पाकिस्तान का नेटवर्क, 120 जगह छापे

- सिम कार्ड और डिजिटल डिवाइस किया गया जब्त
- आतंकियों के मददगार 2 पुलिस अधिकारी बर्खास्त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में दो पुलिस अधिकारियों को आतंकवादियों से संबंध रखने और उनकी मदद करने के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया है। बर्खास्त अधिकारियों की पहचान अब्दुल लतीफ और मोहम्मद अब्बास के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, अब्दुल लतीफ आतंकवादियों के संपर्क में था और उनका सपोर्ट कर रहा था। एफआईआर दर्ज की गई

है और वह फिलहाल डोडा जेल में बंद है। वहीं दूसरे अधिकारी के खिलाफ 4 एफआईआर दर्ज हैं। कश्मीर में आतंक नेटवर्क को तोड़ने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। जम्मू-कश्मीर पुलिस, काउंटर इंटेलीजेंस कश्मीर और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की संयुक्त टीमों ने 120 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापों के दौरान मोबाइल फोन, सिम कार्ड, डिजिटल डिवाइस और अन्य सामग्री जब्त की गई थी। जांच एजेंसियों के मुताबिक, यह ऑपरेशन खास खुफिया इनपुट के आधार पर किया गया। जानकारी मिली थी कि जेल में बंद और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में बैठे आतंकियों के रिश्तेदार बडगाम, कुलगाम और शोपियां जैसे दूरदराज इलाकों से उनके संपर्क में हैं। इन पर भारत में पाकिस्तान का प्रोपेगेंड फैलाने का आरोप है। गांदरबल में 60 से ज्यादा घरों की तलाशी ली गई। ये घर या तो जेल में बंद आतंकियों के या फिर पाक में सक्रिय आतंकियों के परिजनों के हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'हमारा मकसद आतंकियों से संपर्क की कड़ी तोड़ना, प्रोपगेंडा फैलाने वाले माध्यम बंद करना है।

तमिलनाडु के ऊटी में ओस जमी, एमपी में शीतलहर

राजस्थान समेत 5 राज्यों के 30 जिलों में पारा लुढ़का

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमालय की 4000 मीटर ऊंची चोटियों पर हुई ताजा बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में नजर आने लगा है। बर्फबारी के बाद पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवा सीधे मैदानों में पहुंच रही है। इसे रोकने वाला कोई सिस्टम नहीं होने से ठंड और शीतलहर बढ़ गई है। राजस्थान के 12, मध्य प्रदेश के 10, छत्तीसगढ़ के 1, हरियाणा के 1 और हिमाचल के 8 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। मध्य प्रदेश के भोपाल, राजगढ़, इंदौर जैसे शहर

गुलमर्ग, श्रीनगर जैसे पहाड़ी इलाकों के साथ देश के टॉप 12 ठंडे शहरों में शामिल हो गए। इधर, दक्षिण में लौटते मानसून की बारिश के बीच ऊटी में ठंड का असर नजर आने लगा है। हिल स्टेशन ऊटी में कारों की विंड स्क्रीन, गाड़ियों और पेड़-पौधों पर पड़ी ओस की बूंदें जम गईं। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवा के कारण अब अलवर, उदयपुर, झुंझुनूं में भी पारा सिंगल डिजिट में आ गया। इन शहरों में शनिवार को सीजन की सबसे ज्यादा ठंडी रात रही। बारां, करौली में भी पहली बार तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। 12 जिलों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे कम तापमान सीकर में 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बर्फीली हवा से पूरा मध्यप्रदेश ठिठुर गया है और ठंड रिकॉर्ड तोड़ रही है।

मेरे 'हाइड्रोजन बम' पर सीईसी और मोदी चुप क्यों

किशनगंज में राहुल गांधी बोले- हमारे आरोप सही

किशनगंज (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रविवार को किशनगंज में महागठबंधन के कैंडीडेट्स के समर्थन में सभा की। इस दौरान उन्होंने मोदी और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा, ये लोग हरियाणा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में वोट चोरी कर के सरकार बना चुके हैं। बिहार में भी ये यही करने वाले हैं। उन्होंने पूछा, आपने हरियाणा वाला हाइड्रोजन बम देखा है या नहीं। मैंने इन लोगों को बोलती बंद दी है। मैंने आरोप लगाया कि मोदी और चीफ इलेक्शन कमिश्नर वोट चोरी कर रहे हैं। मोदी जी ने एक बार भी कहा कि राहुल गांधी झूठ बोल रहा है, मैं वोट चोरी नहीं कर रहा हूं। ज्ञानेश कुमार ने बोला। ये बोल नहीं सकते हैं। क्यों कि हमने जो आरोप लगाए हैं वो बिल्कुल सही हैं। बीजेपी के नेता 2-2 राज्यों में वोट कर रहे हैं। मोदी और अमित शाह

चुनाव नहीं जीतते हैं वोट चोरी कर के चुनाव जीतते हैं। राहुल ने लोगों से पूछा, आपका मूड कैसा है। हिंदुस्तान में 2 विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ बीजेपी जो जाति, भाषा, महिला-पुरुष। दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी महागठबंधन जो देश को जोड़ना चाहता है। हर धर्म और जाति जोड़ना चाहता है। मैंने 4 हजार किलोमीटर यात्रा की। उसका एक ही मकसद था।

इंस्टा, रील और फेसबुक 21वीं सदी का नशा है

राहुल गांधी ने आगे कहा, ये लोग अडाणी, अंबानी के लिए काम करते हैं। हम किसान और मजदूरों के लिए काम करते हैं। हम चाहते हैं युवाओं को रोजगार मिले वो आगे बढ़ें। आपके प्रधानमंत्री बिहार आए, उन्होंने आपसे क्या कहा। उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार में डेटा कम कर दिया है कि आप रील बना सकते हो। इंस्टाग्राम पर जा सकते हो। रील बनाने से सेल्फी लेने से आपके पास पैसे आएंगे क्या। जब आप इंस्टा और फेसबुक पर जाते हो तो अंबानी का पैसा बनता है।

पहले चरण में ही लालू की पार्टी का सूपड़ा हुआ साफ

सासाराम में अमित शाह की दहाड़, जमकर बोला हमला

सासाराम (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने कहा कि पहले चरण का चुनाव समाप्त हो चुका है। पहले ही चरण में लालू की पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया। पहले चरण में तय हो चुका है कि बिहार में एनडीए की सरकार बनने वाली है। लेकिन याद रखिए, जरा सी भी गलती हुई तो

- लोगों से कहा, गलती हुई तो जंगलराज फिर लौट आएगा

जंगलराज फिर लौट आएगा। लालटेन वालों को बिहार में आने मत देना, वरना आगे बढ़ रहा बिहार फिर से जंगलराज से तहस-नहस हो जाएगा। अमित शाह रविवार को सासाराम में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने कहा कि कुछ दिन पहले राहुल और तेजस्वी ने एक यात्रा निकाली थी। ये यात्रा उन्होंने घुसपैठियों को बचाने के लिए निकाली थी। देश में घुसपैठिए, युवाओं की नौकरियां छीन रहे हैं,

गरीबों के हिस्से के राशन में अपना हिस्सा ले रहे हैं और साथ ही देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। राहुल और तेजस्वी जो करना चाहें, करने दें, मैं आज सासाराम की धरती से यह कहकर जाता हूं कि हम बिहार और देश से एक-एक घुसपैठिए को निकालने का काम करेंगे। उन्होंने (राहुल और तेजस्वी) घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बना लिया है। हमें घुसपैठियों के वोट नहीं चाहिए। हम तो सासाराम के युवाओं के वोट और लखपति दीदी के वोट से जीतने आए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में आतंकियों का सफाया- केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा- जब केंद्र में सोनिया-मनमोहन की सरकार थी, तब आतंकवादी देश में घुसकर हमारी धरती को लहूलुहान करके भाग जाते थे, और कोई पूछने वाला नहीं था। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आई, तो स्थिति बदल गई। उरी में हमला हुआ, हमने सर्जिकल स्ट्राइक की। पुलवामा हमले के बाद हमने एयर स्ट्राइक की।

पीएम किसान की राशि बढ़ाकर 9,000 रुपए होगी

अमित शाह ने कहा- सासाराम का बाबूजी ने वर्षों तक प्रतिनिधित्व किया, लेकिन कांग्रेस ने उनका जीवन भर अपमान किया। कांग्रेस ने जगजीवन राम को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया। पीएम किसान योजना के तहत मोदी जी बिहार के 85 लाख 35 हजार किसानों को हर साल 6,000 रुपये की सहायता राशि देते हैं। बिहार में एनडीए सरकार बना दो, पीएम किसान की राशि 6,000 रुपये से बढ़ाकर 9,000 रुपये कर दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ग्राहक बनकर दुकान में घुसे बदमाश, सीसीटीवी फुटेज की मदद से तलाश में जुटी पुलिस

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शनिवार देर शाम 2 बदमाश ग्राहक बनकर ज्वेलरी शॉप पहुंचे। सोने-चांदी से भरा झोला छीनकर फरार हो गए। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई है। घटना बोचाहां थाना क्षेत्र के सरफुद्दीनगर बाजार की है। जानकारी के मुताबिक सरफुद्दीनपुर निवासी राजीव रंजन कुमार अपने पिता और भाई के साथ दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। सोना और चांदी के जेवर दो झोले में पैक किए गए थे। एक झोला सेफ में रख दिया गया था, जबकि दूसरा झोला काउंटर पर ही रखा हुआ था। इसी दौरान दो युवक ग्राहक बनकर दुकान में प्रवेश किए। दोनों ने दुकान में मौजूद जेवरात को दिखाने के बहाने बातचीत की, मौका मिलते ही काउंटर पर रखा झोला उठाकर बाहर की ओर भाग निकले। दुकानदार के पिता ने शोर मचाते हुए बदमाशों को पकड़ने की कोशिश भी की और उनमें से एक को पकड़ भी लिया था। लेकिन दूसरा बदमाश बाहर खड़ी बाइक स्टार्ट कर उसके साथ मारपीट करते हुए उसे छुड़ा लिया। फिर बाइक से दक्षिण दिशा की ओर फरार हो गए। दुकानदार के पिता को धक्का लगने से हल्की चोटें भी आई हैं। दुकानदार राजीव रंजन ने बताया कि झोले में लगभग 60-70 ग्राम सोना करीब 5 किलो चांदी था, जिसकी अनुमानित कुल कीमत लगभग 12 लाख रुपए है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष श्रीकांत चौरसिया सब-इंस्पेक्टर अन्नपूर्णा कुमारी अंचल निरीक्षण प्रभारी सहित पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचे और आसपास के क्षेत्र में बदमाशों की खोज शुरू की।

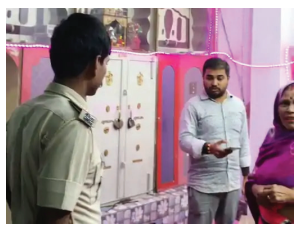

कपड़ा के गोदाम में लगी आग, करीब 30 लाख का नुकसान, फायर ब्रिगेड की 1 दर्जन गाड़ी पहुंची

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर शहर के सुतापट्टी इलाके में शनिवार देर रात आग लग गई। श्यामा मंदिर के पीछे ढांढरिया एंड कंपनी के कपड़ा गोदाम में अचानक लगी आग ने देखते ही देखते पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोग सहम गए। इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना रात करीब 11:30 बजे की है। मालिक नितिन ढांढरिया रात करीब 10:30 बजे गोदाम बंद कर स्टाफ के साथ निकले थे। इसी बीच उन्हें फोन पर सूचना मिली कि तीसरी मंजिल से आग की लपटें उठ रही हैं। सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचे। नगर थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की करीब 1 दर्जन गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। करीब 30 लाख का नुकसान हुआ है। सुतापट्टी कपड़ा मंडी की गलियां काफी संकरी है। आग की सूचना मिलते ही पहले तीन दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची। भीड़भाड़ के कारण दमकल टीम को ऑपरेशन शुरू करने में काफी कठिनाई हुई। पानी की पाइपें खींचने और मशीनों की पोजिशनिंग में बाधा आई। स्थिति बिगड़ने पर आग बुझाने के लिए लगभग एक दर्जन दमकल वाहनों को तैनात किया गया। अग्निशमन टीम के अधिकारी के अनुसार संकरी गली होने के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ी गोदाम के एकदम पास तक नहीं जा पा रहे थे। हमें पाइप कई मकानों और छतों के ऊपर से ले जाकर पहुंचानी पड़ी। आग की लपटें करीब 30 से 40 फीट ऊंची उठने लगी थी। आसपास के घरों और दुकानों से लोगों को बाहर निकाला, ताकि कोई जनहानि न हो सके। मौके पर नगर थाना पुलिस, नगर डीएसपी सुरेश कुमार और स्थानीय वार्ड पार्षद केपी पप्पू भी मौजूद रहे। प्रारंभिक जांच में बिजली के शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है। गोदाम में बड़ी मात्रा में पैक्ड कपड़े और स्टॉक रखे होने के कारण आग तेजी से फैली और लपटें विकराल हो गईं। गोदाम मालिक नितिन ढांढरिया ने कहा कि हमारे लिए यह बहुत बड़ी क्षति है।

घर की खिड़की से घुसकर नाबालिग से रेप, 13 साल की बच्ची के प्राइवेट पार्ट में जख्म, आरोपी के घर तोड़फोड़

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में 13 साल की नाबालिग के साथ घर में घुसकर रेप करने का मामला सामने आया है। वारदात शुक्रवार रात मनियारी थाना क्षेत्र में हुई है। घर पर बच्ची और उसके पिता थे, जबकि मां और 2 भाई-बहन नानी के घर गए हुए थे। देर रात करीब 2 बजे आरोपी खिड़की के रास्ते घर में घुसा और वारदात को अंजाम दिया। बच्ची के चिल्लाने की आवाज से पिता की नींद खुली। उन्होंने आरोपी को रोकना चाहा तो उनके साथ हाथापाई हुई। आरोपी की पहचान दिव्य प्रकाश उर्फ अभिनव (35) के तौर पर हुई है। एक बार जिला परिषद का चुनाव भी लड़ चुका है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता को मनियारी थाना पुलिस ने SKMCH में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, पीड़िता के प्राइवेट पार्ट में चोटें आई हैं। शुक्रवार रात लड़की के पिता बरामदे में सो गए, जबकि नाबालिग अपने कमरे में सो गई। रात 2 बजे के आसपास खिड़की के पास से आवाज आई। जिसके बाद उसकी नींद खुली। खिड़की पर लगा प्लाई हटाई गई थी। डर के कारण बच्ची चौकी से उतरकर नीचे छिप गई। तभी अभिनव खिड़की से कमरे में घुस आया। मोबाइल की रोशनी में पीड़िता ने उसे देखा। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने उसे चौकी पर पटक दिया, तकिए से उसका मुंह दबा दिया। विरोध करने पर उसकी पिटाई की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसने गंदा काम किया। पीड़िता के चिल्लाने की आवाज सुनकर पिता की नींद खुली। जब वे बेटी को बचाने दौड़े, तो आरोपी ने उनसे हाथापाई की और घर के पीछे के रास्ते से फरार हो गया। पिता ने गांव के कुछ लोगों को घटना की जानकारी दी। शनिवार को आक्रोशित ग्रामीण आरोपी के घर पहुंच गए। वहां तोड़फोड़ की गई।

गौमांस कारोबार के आरोप में बवाल, ग्रामीणों ने बाइक सवार को पकड़ा, नट समुदाय के 12 घर जलाए

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र के चकमुबारक गांव में कथित गौमांस कारोबार को लेकर आक्रोशित लोगों ने नट समुदाय के लगभग एक दर्जन घरों में आग लगा दी। इस घटना में कई घर जलकर राख हो गए। सूचना मिलने पर लालगंज, वैशाली और भगवानपुर थाना की पुलिस दमकल के साथ मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। चकमुबारक गांव में मुस्लिम नट समुदाय के कुछ लोग रहते हैं, जिन पर चोरी-छिपे गौमांस और भैंस के मांस का व्यापार करने का आरोप है। शनिवार को एक व्यक्ति बाइक पर मांस लादकर जा रहा था, जिसे कुछ युवकों ने देख लिया। रोकने पर वह भागने लगा, लेकिन युवकों ने पीछा कर उसे घेर लिया। बाइक छोड़कर भागने के बाद, युवकों ने बोरी की तलाशी ली तो उसमें छोटे-छोटे थैलों में गौमांस भरा पाया गया। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने बाइक में आग लगा दी। घटना की सूचना लालगंज थाना को दी गई, लेकिन पुलिस के देर से पहुंचने पर लोगों का गुस्सा और बढ़ गया। इसके बाद उन्होंने नट समुदाय के झोपड़ीनुमा घरों में आग लगा दी। घरवाले किसी तरह जान बचाकर भागे, लेकिन घरों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। बताया जा रहा है कि घर में रखे तीन सिलेंडर फटने से आग तेजी से फैली और एक दर्जन घरों को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि गौमांस बेचने का यह काम काफी समय से चल रहा था और इसकी सूचना पहले भी प्रशासन को दी गई थी। उनका आरोप है कि यदि प्रशासन ने पहले कार्रवाई की होती तो यह घटना नहीं घटती। जले हुए घरों की तलाशी के दौरान भी गौमांस मिलने की बात सामने आई है। इस संबंध में लालगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही दो-तीन थानों की पुलिस और तीन दमकल गाड़ियों को बुलाकर आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लालूजी ने नौकरी के बदले जमीन लिखवाई, चारा घोटाले से बिहार को किया बदनामः सम्राट चौधरी

एजेंसी, पटना

लालू यादव ने नौकरी देने के बजाय लोगों की जमीन अपने नाम लिखवाई, चारा घोटाला किया और बिहार की साख को नुकसान पहुंचाया । बिहार उनकी वजह से बदनाम हुआ। चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 65 फीसद मतदान कर बिहार की जनता ने इसबार जंगलराज और अराजकता के प्रतीक लालटेन को पूरी तरह से कूड़े में फेंक दिया है। इसके साथ ही तय हो गया कि एनडीए यहां 200 से ज्यादा सीटें जीत कर प्रंचड बहुमत से सरकार बनाएगा। यह बातें बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कही।

सम्राट चौधरी ने धमदाहा से एनडीए प्रत्याशी लेसी सिंह, गोपालपुर से एनडीए प्रत्याशी बुलो मंडल, कहलगांव से एनडीए शुभानंद मुकेश, धौरैया से एनडीए प्रत्याशी से मनीष कुमार, सुल्तानगंज से एनडीए प्रत्याशी ललित नारायण मंडल, चकाई से एनडीए प्रत्याशी सुमित कुमार सिंह के समर्थन में जनसभा की और अमरपुर में एनडीए प्रत्याशी जयंत राज के समर्थन में रोड शो किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा अपनी हार को निश्चित जानकर लालटेन और पंजा वाले हताश लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दिए गए 10 हजार रुपये सूद सहित वापस लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार के वित्त मंत्री होने के नाते मैं अपनी बहनों को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि आपके मोदी भैया और नीतीश भैया ने रोजगार के लिए जो 10 हजार रुपये दिए हैं, उसे कोई आपसे नहीं छीन सकता है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि 2005 में नीतीश कुमार की सरकार ने बेटियों की शिक्षा के लिए साइकिल और पोशाक योजना शुरू की। पढ़ाई पर छात्रवृत्ति और नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। अब उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और व्यवसाय शुरू करने के लिए 10-10 हजार रुपये दिए गए हैं। आगे दो लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि 2005 से पहले बिहार में सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास नहीं हो रहा था, लेकिन एनडीए शासन में सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, मेट्रो और हवाई सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। 2005 से पहले बिहार में मात्र आठ हजार किलोमीटर सड़कें थीं, जबकि एनडीए के 18 वर्षों में डेढ़ लाख किलोमीटर सड़कों का निर्माण हुआ। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में 12 लाख सरकारी नौकरियां दी गईं और 38 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला। सरकार का लक्ष्य एक करोड़ नौकरियां और रोजगार सृजन का है। श्री चौधरी ने कहा कि बिहार उद्योग का हब बन रहा है और 50 लाख करोड़ के निवेश से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर बनेंगे। श्री चौधरी ने कहा- जंगलराज के राजकुमार कहते हैं कि वे बीस महीने में बिहार को बदल देंगे, लेकिन जनता पूछ रही है कि जब उनके माता-पिता 15 साल तक सत्ता में थे, तब उन्होंने क्या किया?

तेजप्रताप यादव ने तेजस्वी को दी जन्मदिन की बधाई

पटना। नेता प्रतिपक्ष और महागठबंधन के सीएम फेस तेजस्वी यादव आज 37 साल के हो गए। शनिवार की रात 12 बजे परिवार के साथ केक काटकर उन्होंने अपना जन्मदिन मनाया। परिवार के साथ तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। तेजस्वी की पत्नी राजश्री, बहन मीसा भारती और बच्चे भी सेलिब्रेशन में शामिल रहे। तेजप्रताप यादव ने भी तेजस्वी को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि मेरा आशीर्वाद है वो आगे बढ़े।

तेजस्वी की बहन रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर उनका जन्मदिन मनाते हुए तस्वीरें साझा कीं और लिखा कि, उम्र कम, लेकिन इरादे मजबूत और नीयत साफ... बिहार के युवाओं की उम्मीद तेजस्वी। बहन मीसा भारती ने कहा ईमानदारी तुम्हें नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी, तुम हमेशा स्वस्थ, खुश और सफल रहो। तुम्हारी मेहनत और ईमानदारी तुम्हें नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। तेजस्वी प्रसाद यादव आज 36 वर्ष के हो गए।

मीसा बोलीं- महागठबंधन के शपथ ग्रहण में पीएम को बुलाएंगे

एजेंसी, पटना

♦ तेजप्रताप की Y+ सिक्योरिटी पर कहा- सरकार जाने क्यों बढ़ाई

RJD सांसद और लालू यादव की बेटी मीसा भारती ने कहा, 'महागठबंधन के शपथ में प्रधानमंत्री मोदी को भी बुलाएंगे। वो हमारे भी प्रधानमंत्री हैं। वहीं भाई तेजप्रताप की सिक्योरिटी बढ़ने पर कहा, ये सरकार का मामला है, वही जाने क्यों बढ़ाई है सुरक्षा।' समस्तीपुर में वीवीपैट की पर्चियां फेंकी मिलने पर मीसा ने कहा, 'दानापुर में सीसीटीवी कैमरा बंद कर दिया गया है। चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है, दबाव में आकर काम कर रहा। कहीं ना कहीं पूरी दाल काली है। ' राजद सांसद ने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा, 'बीजेपी और पीएम के पास मुद्दे नहीं हैं। वो प्रचार में भोजपुरी गाने सुना रहे हैं।'

राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेजप्रताप यादव को केंद्र सरकार ने वाई प्लस कैटेगरी की सुरक्षा दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस बावत आदेश जारी कर दिया है। अब तेज प्रताप सीआरपीएफ के सुरक्षा घेरे में रहेंगे। तेज प्रताप को यह सुरक्षा वीआईपी प्रोटेक्शन लिस्ट के तहत दी गई है। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने कुछ ही दिन पहले तेज प्रताप की सुरक्षा को लेकर विशेष रिपोर्ट गृह विभाग को सौंपी थी। इसी के बाद गृह विभाग ने फैसला लेते हुए उन्हें वाई प्लस की सुरक्षा प्रदान की है। इसके तहत उन्हें दो पर्सनल सिक्योरिटी अफसर और सीआरपीएफ के नौ कमांडो मिलेंगे। 2 दिन पहले पटना एयरपोर्ट पर रवि किशन और तेजप्रताप की मुलाकात हुई थी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्ट्रॉन्ग रूम का लिया जायजा, 2020 से लगभग 8% ज्यादा हुई है वोटिंग

एजेंसी, पटना

बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने आज पटना में विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी को देखते स्ट्रॉन्ग रूम और मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां की सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि चुनाव आयोग के सभी नियमों और आदेशों का पूरी तरह पालन किया जाए। बता दें कि बिहार में 6 नवम्बर को पहले चरण का मतदान की प्रक्रिया सफलतापूर्ण पूरी की गई है। इस चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ, जिसमें 65.08 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह आंकड़ा पिछले विधानसभा चुनाव 2020 की तुलना में लगभग 7.79 प्रतिशत अधिक है। महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग (PwD) मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। इनके लिए व्हीलचेयर, रैम्प, सुगम पहुंच व आवश्यक सहायता की पूरी व्यवस्था की गई थी।

पिछले चुनाव से अधिक लोगों ने किया मताधिकार का प्रयोगः निर्वाचन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में राज्य का औसत मतदान 57.29 प्रतिशत था, जबकि 2024 के लोकसभा चुनाव में 56.28 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस प्रकार 2025 के विधानसभा चुनाव के पहले चरण में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं पहले चरण की मतगणना 14 नवम्बर 2025 को निर्धारित की गई है।

शांतिपूर्ण रहा मतदान, ईवीएम-वीवीपैट पूरी तरह सुरक्षितः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार ने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर मतदान कार्य शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य निर्वाचन विभाग की सतत निगरानी में मतदान की सभी व्यवस्था सुचारू रहीं।, सभी ईवीएम (बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट व वीवीपैट सहित) को मतदान समाप्ति के बाद कड़े सुरक्षा घेरे में स्ट्रॉन्ग रूम में सील कर सुरक्षित रखा गया है। स्ट्रॉन्ग रूम में 24×7 CCTV की व्यवस्था की गई है और सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

♦ महिला-युवा- दिव्यांग मतदाताओं की बढ़ी भागीदारी

उम्मीदवारों और प्रतिनिधियों के लिए पारदर्शी व्यवस्थाः सभी उम्मीदवारों को सूचित किया गया है कि वे स्ट्रॉन्ग रूम के पास बने Polled EVM Strong Room में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी हेतु नियुक्त एजेंटों को तैनात कर सकते हैं। उन्हें CCTV Display की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है, ताकि उम्मीदवार खुद सुरक्षा प्रक्रिया की निगरानी कर सकें।

पवन खेड़ा बोले, प्रधानमंत्री को माफी मांगनी चाहिए, कट्टा-कनपट्टी जैसे शब्द शोभा नहीं देते

♦ वोट से ज्यादा फाइल की चोरी हो रही है

एजेंसी, पटना

कांग्रेस ने दावा किया है कि दूसरे चरण की चुनाव से पहले कई मंत्रियों ने अपनी पैकिंग शुरू कर दी है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा कि कई मंत्रियों ने घर खाली करने के लिए पैकिंग शुरू कर दी है। सुनने में आ रहा है कि फाइल भी गायब की जा रही है। इसलिए अगर आजकल में किसी सरकारी भवन में आग लग जाए तो समझ लीजिएगा कि सब कुछ चुराया जा रहा है। भ्रष्टाचार के सबूत मिटाए जा रहे हैं। यहां वोट चोरी से ज्यादा फाइल चोरी हो रही है। मगर बिहार वोट चोरी नहीं होने देगा। VVPAT की पर्चियां कूड़ेदान में मिल रही है, लेकिन चुनाव आयोग कोई जवाब नहीं दे रहा है।

दूसरी ओर उन्होंने पीएम पर तंज करते हुए कहा कि पीएम मोदी जैसी मानसिकता ना इससे पहले कभी देश के प्रधानमंत्री की थी और ना कभी होगी। क्या किसी प्रधानमंत्री को कट्टा, कनपटी जैसे शब्द शोभा देता है। वह बिहार को आकर बदनाम करते हैं कि यहां कट्टों का फैशन है। प्रधानमंत्री को माफी मांगनी चाहिए।

PM की कनपट्टी पर कट्टा रखकर CM घोषित करवाएं नीतीशः शनिवार को पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जिसमें उन्होंने पीएम के कट्टा, कनपटी की बात पर कहा कि मैं प्रधानमंत्री की बात सुनकर नीतीश बाबू को यह सलाह देते हूं कि कट्टा ले जाकर उनके कनपट्टी पर रखिए और अपने आप को मुख्यमंत्री घोषित करवाइए, क्योंकि ऐसे यह लोग आपको मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे।

अमित शाह होटल में किसी से छुप-छुपकर मिल रहे हैंः दूसरी ओर उन्होंने अमित शाह पर भी कहा था कि 'एक अजीब बात हमने देखी। गृहमंत्री जब होटल में आते हैं तो लिफ्ट के सीसीटीवी के ऊपर कागज चिपका दिया जाता है। हमें यह नहीं समझ में आता है कि गृहमंत्री यहां किससे मिलने आ रहे हैं, किसका मुंह छिपाया जा रहा है। किससे वह डर-डर के और छिप छिपकर मिलने आ रहे हैं। क्या वह एक अधिकारी है। हम चाहते हैं कि इसका जवाब गृहमंत्री दें। होटल वाले को मजबूर करके सीसीटीवी के ऊपर कागज लगाया जाता है। सीसीटीवी के ऊपर कागज चिपकाने अन्य लोगों के सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है।'

23वीं बिहार राज्य बालक बालिका सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता

बालक में पटना, बालिका वर्ग में सीतामढ़ी बना विजेता

एजेंसी, पटना

23वीं बिहार राज्य बालक बालिका सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता के बालक वर्ग का पहला सेमीफाइनल मैच सारण और सीतामढ़ी के बीच खेला गया। जिसमें सारण ने 52-29 अंक से जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल मैच पटना और बेगूसराय के बीच खेला गया, जिसमें पटना ने 34-31अंक से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। बालक वर्ग का फाइनल मैच सारण और पटना के बीच खेला गया। जिसमें पटना ने सारण को 42-32 अंक से हरा कर विजेता होने का गौरव हासिल किया। बालिका वर्ग का पहला सेमीफाइनल मैच पटना और सारण के बीच खेला गया जिसमें पटना ने 49-24 अंक से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल मैच लखीसराय और सीतामढी के बीच खेला गया जिसमें सीतामढ़ी ने 29-25 अंक से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच पटना और सीतामढी के बीच खेला गया, जिसमें सीतामढी ने पटना को 31-27 अंक से पराजित कर विजेता होने का गौरव हासिल किया।

समापन समारोह में अतिथि के रूप में कुमार विजय सिंह सभापति बिहार राज्य कबड्डी संघ सारण जिला कबड्डी संघ के सचिव पंकज कश्यप, समाजसेवी विनोद सम्राट, सभापति बैठा उपस्थित रहें। सभी आगत अतिथियों का स्वागत आयोजन अध्यक्ष संजय सिंह आयोजन सचिव रघुराज सिंह एवं युवा नेता विशाल सिंह द्वारा अंग वस्त्र देकर किया गया।

खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कुमार विजय सिंह ने कहा कि बिहार के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत है उसे उचित मंच देने की जिसके लिए बिहार कबड्डी हमेशा तत्पर रहता है। महदलीचक में आयोजित इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में आयोजन समिति के द्वारा किया गया प्रयास काफी सराहनीय है। उन्होंने आयोजन समिति के सदस्य मंतोष सिंह, रितिक सिंह, दीपक सिंह, दीपू सिंह, राहुल सिंह, ज्योति सिंह, मनीष सिंह, अमित कुमार, अनीश कुमार, शुभम सत्यार्थी को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु प्रो कबड्डी का ऑफिशियल राणा रणजीत सिंह, जयशंकर चौधरी, पंकज सिंह, सुशील सिंह, प्रमोद कुमार राजेश मेजर के नेतृत्व में बिहार के 24 निर्णायक मंडल की टीम लगी रही।

बेकार प्लास्टिक बॉटल के बदले मिलेगी कैप और टी-शर्ट

एजेंसी, पटना

पटना में 5 जगह पर लगी रिवर्स वेंडिंग मशीन, एक घंटे में रिसाइकिल होगी 120 बोतलें

पटना को प्लास्टिक फ्री बनाने के लिए पटना नगर निगम ने एक विशेष पहल की है। शहर में पहली बार 'रिवर्स वेंडिंग मशीन' लगाई गई है। इस मशीन में लोग एक तरफ बेकार प्लास्टिक की बोतल डालेंगे और दूसरी तरफ से उन्हें आकर्षक गिफ्ट मिलेगा। वहीं, मशीन के अंदर एक क्रशर भी लगा है, जो बोतलों को तुरंत कंप्रैस कर देता है। इससे स्टोरेज और ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है। इस पहल से प्लास्टिक कचरे को सही तरीके से रीसाइकिल करना आसान हो जाएगा।

अभी 5 जगह पर लगी रिवर्स वेंडिंग मशीनः अभी फिलहाल पांच मशीनों को पटना के विभिन्न स्थानों में लगाया गया है। 2 मशीनें जेपी गंगा पथ, 1 मशीन मौर्य लोक कंपलेक्स और 2 मशीन मीनार घाट पर लगाई गई है। ये मशीनें लोगों से इस्तेमाल की हुई प्लास्टिक बोतलें और कैरी बैग वापस लेंगी और बदले में उन्हें कुछ प्रोत्साहन राशि या ग्रीन पॉइंट देंगी। ये मशीनें 20 इंच की डिजिटल स्क्रीन से लैस हैं और एक घंटे में 90-120 बोतलें रीसाइकिल कर सकती हैं। यह 400 किलोग्राम वजनी है और पूरी तरह से ऑटोमैटिक है। इस मशीन से हर वर्ष अनुमानित रूप से 42 टन तक CO उत्सर्जन की बचत, 700 लीटर ईंधन की कमी और 52,000 लीटर पानी की बचत होगी।

कैसे काम करेगी रिवर्स वेंडिंग मशीनः रिवर्स वेंडिंग मशीन एक मॉडर्न डिवाइस है जो खाली प्लास्टिक की बोतलें स्वीकार करती है। लोग अपनी खाली बोतल मशीन में डालेंगे, अपना मोबाइल नंबर डालेंगे और मशीन रीसाइकिल होने वाली बोतलों की संख्या के आधार पर उन्हें ग्रीन प्वाइंट देगी। इस तरह कुल 150 ग्रीन प्वाइंट पर रीसाइकल प्लास्टिक से बनी एक कैप मिलेगी। दूसरी तरफ 300 ग्रीन प्वाइंट पर एक टी-शर्ट इनाम के तौर पर दी जाएगी।

शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने में योगदान मिलेगाः पटना नगर निगम के

नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने कहा कि यह पहल न केवल शहर को स्वच्छ बनाएगी, बल्कि नागरिकों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना भी बढ़ाएगी। आम लोग इस अभियान में सहभागी बने और शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने में योगदान दे। इन मशीनों के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी एक प्राइवेट कंपनी को दी गई है, जो मशीन की स्थापना के बाद 3 वर्षों तक मुफ्त रखरखाव सेवा प्रदान करेगा।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में थम गया प्रचार का शोर, 11 नंवबर को 122 सीटों पर होगा मतदान

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर मतदान होगा। इसके लिए रविवार की शाम प्रचार का शोर थम गया है। 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। आखिरी दिन सभी दलों के नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी। पहले फेज में 6 नवंबर को 121 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। 14 नवंबर को सभी 243 सीटों के नतीजे घोषित होंगे। दूसरे चरण में 3 करोड़ 70 लाख से अधिक मतदाता 1302 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। एक करोड़ 95 लाख 444041 पुरुष मतदाता और एक करोड़ 74 लाख 68 हजार 572 महिला मतदाता दूसरे चरण में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।122 में 21 रिजर्व सीटें: बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 6 प्रमंडल के 18 जिले के 121 सीटों पर 6 नवंबर को वोट डाले गए थे। अब दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों में 11 नवंबर को मतदान होगा। इसमें 101 सामान्य सीटें हैं, जबकि 19 अनुसूचित जाति और 2 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटें हैं।

शांतिपूर्ण मतदान को लेकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में मोतिहारी में फ्लैग मार्च

- फ्लैग मार्च में शामिल हुई पैरामिलिट्री फोर्स और जिला पुलिस, अधिकारियों ने मतदाताओं से शांतिपूर्ण मतदान की अपील की

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल और पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में शनिवार को मोतिहारी शहर में भव्य फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों के साथ जिला पुलिस बल भी शामिल रहा। यह मार्च डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर से शुरू होकर कोलू बड़वा चौक, गाजा गाजी चौक, मीना बाजार गोलंबर होते हुए रोइंग क्लब तक निकाला गया। इस दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए शांतिपूर्ण मतदान की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का पर्व है, इसे भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने मतदाताओं से 11 नवंबर को निर्भय होकर मतदान करने की अपील की। प्रशासन की ओर से बताया गया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य जिले में सुरक्षा बलों की उपस्थिति से मतदाताओं में विश्वास और आत्मविश्वास बढ़ाना है, ताकि कोई भी मतदाता भय या दबाव में आए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

सउदी में दुर्घटना होने पर मजदूर ने गवाया पैर

बीएनएम @ बगहा: बगहा अनुमंडल अंतर्गत बगहा दो प्रखंड के वाल्मीकिनगर के विजयपुर कर्माबारी वार्ड नम्बर 04 के निवासी नवी हुसैन का 24 वर्षीय पुत्र सज्जाद मंसूरी एक वर्ष से इलाज के अभाव मे लाचार होकर बिस्तर पर तड़प रहा है। पीड़ित पिता नवी हुसैन ने बताया कि मैंने कर्ज लेकर मझले बेटे 24 वर्षीय सज्जाद मंसूरी को सऊदी कमाने के लिए विदेश भेजा था। लेकिन वहाँ उसका एक्सीडेंट हो गया। उसके बाद कपिल ने प्राथमिक उपचार कर इंडिया वापस भेज दिया। पीड़ित पिता ने आगे बताया की एक वर्ष से इसका इलाज करा रहे हैं। कमर के नीचे बेटा लाचार हो गया है,पैसाब का अलग से थैला लगाया गया। कमर के उपर जख्म हो गया है। पीड़ित पिता ने कहा की मेरा कामसूत बेटा लाचार हो गया है, घर की माली हालत दयनीय है, हम चाहते है सरकार और समाज हमारी मदद करे और मेरे बेटे का बढ़िया अस्पताल मे इलाज हो। बतादें की लाचार पिता एसडीएम,डीएम,स्वास्थ मंत्री, और मुख्यमन्त्री को चिठी लिखकर गुहार लगाने की बात कही है। गौरतलब हो कि सज्जाद मंसुरी गरीब है, तथा मजदूरी कर परिवार का जीविकोपार्जन करता था। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सउदी अरब कमाने गया था। जहां उसकी गंभीर रूप से दुर्घटना हो गई। दुर्घटना में सज्जाद का जांघ और पैर नकाम हो गया। सउदी अरब में इलाज भी हुई। लेकिन वे स्वस्थ नहीं हो सका। किसी भी तरह भारत और अपने घर आया। इधर परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय होने पर उनकी समुचित इलाज नहीं हो पा रहा है। परिजनों ने जिलाधिकारी प चम्पारण से लेकर देश के प्रधानमंत्री मोदी से सहयोग की मांग की है।

कन्या का आगमन मंगलकारी - पूर्व प्राचार्य

बीएनएम @ बगहा: बगहा अनुमंडल अंतर्गत मधुबनी प्रखंड स्थित राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज मधुबनी के पूर्व प्राचार्य पं०भरत उपाध्याय ने बताया कि -स्थानीय शुभाश्रम में देवकी नंदनाय पंकज नाभाय, महापादाय मेरे परम आराध्य श्याम सुंदर प्रभु की अनमोल कृपा से कन्या रत्न का आगमन हुआ है।इस अवसर पर अखिलेश शांडिल्य ने कहा कि घर में कन्या का आगमन अति शुभ एवं मंगलकारी है। अतः शुभाश्रम परिवार बिटिया का जन्मोत्सव धूमधाम से भजन, कीर्तन और सोहर तथा नृत्य के साथ, हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जा रहा है।पूर्व प्राचार्य ने बिटिया को आशीर्वाद देते हुए कहा कि-वर्तमान में घर में बिटिया का जन्म कष्टकारी समझा जा रहा है। लोगों को अपनी सोच बदलनी चाहिए। बेटा-बेटी में कोई अंतर नहीं है ! हमारे विचारों का स्तर हमारी संगत पर निर्भर करता है। हमारी संगति जितनी अच्छी व निश्चल होगी, हम उतने ही निश्चल विचारों के धनी होंगे ! बेटी सीता, सावित्री ,दुर्गा, महाकाली के रूप में पूजनीय हैं।घनश्याम मणि यशु, जया,प्रिया प्रियदर्शिनी सहित सैकड़ों लोगों ने कन्या जन्मोत्सव को अविस्मरणीय बना दिया।

मतदान हमारा संघर्ष से अर्जित अधिकार, लापरवाही न करें: प्रो. संजय श्रीवास्तव

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन, युवाओं से अधिकाधिक मतदान की अपील

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं संपर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को एक भव्य मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने किया, जबकि रैली को एनएसएस समन्वयक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने चाणक्य परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली सदर अस्पताल, गांधी चौक, मीना बाजार होते हुए ज्ञानबाबू चौक तक निकाली गई। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, एनएसएस स्वयंसेवक और नगर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

इसका उद्देश्य आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण को ध्यान में रखते हुए नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता और उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त बनाना था।

कुलपति बोले — लोकतंत्र के लिए संघर्ष किया, अब इसे मजबूत बनाना हमारी जिम्मेदारी- प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा, "हमारा लोकतंत्र संघर्ष से अर्जित है। इसे मजबूत बनाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। चंपारण उस भूमि का प्रतीक है, जहां से स्वतंत्रता की लड़ाई की शुरुआत हुई थी। जब हमारे पास अधिकार हैं, तो उसमें लापरवाही नहीं होनी चाहिए।" उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों और नागरिकों से मतदान के महत्व को समझने और लोकतंत्र की रक्षा में भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

"20 लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करें" — प्रो. प्रसून दत्त सिंह-प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा, "पढ़े-लिखे नागरिकों का दायित्व है कि वे समाज को सही दिशा दें। हर स्वयंसेवक कम-से-कम 20 लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करे।" सभी प्रतिभागियों ने "पहले मतदान, फिर जलपान" का संकल्प लिया।

"मतदान केवल अधिकार नहीं, लोकतांत्रिक कर्तव्य भी है" — डॉ. नरेन्द्र सिंह-संपर्क विभाग के सह जिला संपर्क प्रमुख डॉ. नरेन्द्र सिंह ने कहा, "मतदान न केवल अधिकार है, बल्कि लोकतांत्रिक कर्तव्य भी है। हर मतदाता को निष्पक्ष और निर्भीक होकर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए।"

रैली में छात्रों ने उत्साहपूर्वक नारे लगाए — "वोट देना कर्तव्य निभाना, लोकतंत्र को मजबूत बनाना",

"पहले मतदान, फिर जलपान",

और "हर वोट देश की ताकत है।"

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, कर्मचारी और एनएसएस अधिकारी — डॉ. जुगल किशोर दधीचि, डॉ. कुंदन किशोर रजक, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. अनुपम वर्मा, डॉ. मुस्कान भारती आदि उपस्थित रहे।

संपर्क विभाग से रविशंकर वर्मा, श्याम सुंदर राम, मनोज कायल, बसंत जायसवाल, अंगद सिंह, जितेन्द्र त्रिपाठी सहित अन्य शिक्षकों ने भी भाग लिया। यह अभियान लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जिसने मतदान को अधिकार के साथ-साथ कर्तव्य के रूप में स्वीकार करने का सशक्त संदेश दिया।

सदर एसडीओ श्वेता भारती के नेतृत्व में सुगौली में मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन

रंगोली, मेहंदी, नुक्कड़ नाटक और कैंडल मार्च से दी गई मतदान की प्रेरणा

बीएनएम @ मोतिहारी/सुगौली

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को सुगौली प्रखंड के उत्तरी सुगांव पंचायत सरकार भवन में मतदाता जागरूकता अभियान का वृहद आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व 11-सुगौली विधानसभा क्षेत्र की निर्वाची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी सुश्री श्वेता भारती ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन, स्थानीय प्रतिनिधि और कर्मी उपस्थित रहे। इस दौरान मतदाता जागरूकता रंगोली, मेहंदी प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक और कैंडल मार्च के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति प्रेरित किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी श्वेता भारती ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे आगामी 11 नवंबर को होने वाले मतदान में अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान मतदाता जागरूकता गीत की सुंदर प्रस्तुति देकर लोगों को लोकतंत्र के महत्व का संदेश दिया। जिला स्वीप (SVEEP) आइकॉन सुश्री अनुप्रिया ने भी अपने मधुर स्वर से गीत प्रस्तुत कर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में सदर अनुमंडल और प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, कर्मी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन आदित्य प्रकाश ने किया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मतगणना केंद्र/स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा में निर्वाचन 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर एमएस कॉलेज मोतिहारी एवं छतौनी स्थित डाइट में बनाए गए मतगणना केंद्र का जिलाधिकारी सौरव जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा संपूर्ण निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान एक-एक चीज की जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान मतगणना कक्ष, कक्ष में प्रत्याशी अथवा उनके एजेंट के मतगणना प्रक्रिया देखने की व्यवस्था, प्रेक्षक सहित अन्य पदाधिकारी की बैठने की व्यवस्था, मतगणना केंद्र पर सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य सुरक्षात्मक व्यवस्था मतगणना केंद्र के आसपास पार्किंग की व्यवस्था का अवलोकन किया गया एवं सभी संबंधित पदाधिकारी को शीघ्र समुचित व्यवस्था कर देने का निर्देश दिया गया। जिला में 11 नवंबर को मतदान के पश्चात सभी पोल्ड ईवीएम इन्हीं मतगणना केंद्रों पर सुरक्षित रखे जाएंगे। इसके लिए चारों तरफ सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है एवं बड़ी संख्या में वहां पर पैरामिलिट्री फोर्स की प्रतिनियुक्ति की गई है।क्ष

जिले के सभी 4095 मतदान केंद्रों पर अर्धसैनिक बलों की होगी तैनाती, सभी बूथों से होगी लाइव वेबकास्टिंग

» डीएम- एसपी ने कहा "स्वच्छ, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान हमारा संकल्प"

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के द्वितीय चरण के तहत 11 नवंबर को पूर्वी चंपारण जिले में मतदान होना है। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा। जिला प्रशासन ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बताया कि जिले के सभी 4095 मतदान केंद्रों पर मतदान पूरी पारदर्शिता के साथ कराया जाएगा। हर बूथ पर दो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं — एक मतदान कक्ष के अंदर और दूसरा बाहर। इन कैमरों से ऑडियो रिकॉर्डिंग भी होगी और नियंत्रण कक्ष से सभी केंद्रों की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके अलावा, सभी मतदान केंद्रों से लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है, जबकि संवेदनशील बूथों पर माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात रहेंगे। डीएम ने बताया कि प्रत्येक बूथ पर केंद्रीय अर्धसैनिक बल, बिहार मिलिट्री पुलिस और जिला पुलिस के जवान तैनात रहेंगे। मतदाताओं की सुविधा के लिए वॉलंटियर्स नियुक्त किए गए हैं। पर्दानशीं महिला मतदाताओं की जांच हेतु महिला कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। मतदान केंद्रों पर मोबाइल होल्डर लगाए गए हैं ताकि मतदाता मतदान कक्ष में प्रवेश से पहले अपना मोबाइल सुरक्षित रख सकें। दिव्यांग मतदाताओं के लिए ट्राइसाइकिल और रैंप जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। डीएम ने बताया कि 95 प्रत्याशी जिले के 12 विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी मैदान में हैं। करीब 120 मतदान केंद्रों का संचालन पूरी तरह महिला कर्मी करेंगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक विधानसभा में एक आदर्श बूथ और एक यूथ बूथ बनाया गया है। मतगणना 14 नवंबर को होगी। इसके लिए दो केंद्र बनाए गए हैं, एम.एस. कॉलेज, मोतिहारी और डायट, छतौनी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में 21000 से अधिक बाहरी सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। कुल 250 कंपनी फोर्स में से 150 कंपनी केंद्रीय बलों की है।

मतदान दिवस पर 101 क्यूआरटी (Quick Response Team) जिले में लगातार गश्त करेगी। सुरक्षा व्यवस्था चार स्तरों पर की गई है। बूथ स्तर, सेक्टर अधिकारी, जोनल अधिकारी और सुपर जोनल मजिस्ट्रेट स्तर पर। एसपी ने बताया कि अब तक 200 से अधिक अपराधियों को जिला बदर किया गया है और 15 से ज्यादा को जेल ट्रांसफर किया गया है। आचार संहिता उल्लंघन के 6 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। इंडो-नेपाल सीमा सील कर दी गई है और सीमा सुरक्षा बल द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। एसपी ने कहा कि मतगणना स्थलों पर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। सीसीटीवी के जरिए 24 घंटे निगरानी होगी। मतगणना के दौरान उम्मीदवारों और उनके एजेंटों के लिए पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मतदान के दिन मोतिहारी नगर क्षेत्र में विशेष ट्रैफिक प्लान लागू रहेगा ताकि ईवीएम मशीनों के परिवहन में किसी तरह की बाधा न हो। प्रेस वार्ता के अंत में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से निर्भय होकर मतदान करने की अपील की।

शांतिपूर्ण चुनाव को लेकर तुरकौलिया में पुलिस का फ्लैग मार्च

असामाजिक तत्वों की पहचान कर दिए गए लाल कार्ड, 900 पर निरोधात्मक कार्रवाई

बीएनएम @ तुरकौलिया

आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराने के लिए तुरकौलिया पुलिस ने शनिवार को फ्लैग मार्च निकाला। मार्च का नेतृत्व थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी और अपर थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार ने किया। शस्त्रबलों के साथ पैदल मार्च शंकर सरैया, महानवा, तुरकौलिया बाजार, माधोपुर, गोपाल चौक, मथुरापुर, सेमरा, जयसिंहपुर, बेलवाराय और बिजुलपर सहित कई क्षेत्रों में निकाला गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य मतदाताओं में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बनाना है। थानाध्यक्ष ने

बताया कि असामाजिक तत्वों की पहचान कर उन्हें लाल कार्ड जारी किया गया है। चुनाव में गड़बड़ी या अराजकता फैलाने वालों पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। अब तक लगभग 900 लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई की गई है, जबकि आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध सीसीए (क्राइम कंट्रोल एक्ट) के तहत प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध गतिविधि, अफवाह फैलाने या माहौल बिगाड़ने वालों को किसी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने वाले नागरिकों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस द्वारा शराब तस्करी और अवैध बरामदगी के विरुद्ध लगातार छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष ने नागरिकों से अपील की कि वे भयमुक्त होकर मतदान केंद्रों पर जाकर वोट डालें। सभी बूथों पर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात रहेंगे और पूरे क्षेत्र में पुलिस की गश्ती जारी रहेगी। फ्लैग मार्च में एएसआई संतोष पटेल, थाने के सभी चौकीदार और शस्त्रबल के जवान शामिल थे।

कैंडल जलाकर 11 नवंबर को मतदान करने की अपील

"मेरा वोट–मेरा बिहार" अभियान के तहत गांधी संग्रहालय में हुआ संकल्प कार्यक्रम

बीएनएम @ मोतिहारी

मंगलवार को 11 नवम्बर को होने वाले मतदान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR), बिहार इलेक्शन वॉच और एक्शन फॉर एकाउंटेबल गवर्नेंस (AAG) के संयुक्त तत्वावधान में "मेरा वोट–मेरा बिहार" अभियान के तहत आज मोतिहारी के गांधी संग्रहालय परिसर में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्वयं मतदान करने और अपने आसपास के नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करने का हस्ताक्षर संकल्प लिया तथा कैंडल जलाकर मतदाताओं को जागरूक करने की अपील की। एडीआर प्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार ने बताया कि

मतदान प्रतिशत बढ़ाने और अच्छे-सच्चे उम्मीदवारों को चुनने के लिए जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों में जनसंवाद, युवा संवाद, रंगोली, पेंटिंग और हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से मतदाताओं को प्रेरित किया जा रहा है। समाजसेवी दिग्विजय कुमार ने कहा कि "पहले मतदान, फिर जलपान" हर नागरिक का संकल्प होना चाहिए। वहीं विश्वजीत मुखर्जी ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं मतदान करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव में प्रशासन को सहयोग देने की अपील करते हुए डॉ. अमित रंजन, डॉ. विनय कुमार सिंह, डॉ. कमलेश कुमार, डॉ. स्नेहा, नवीन कुमार पांडेय, बसंत कुमार राय, पिंजय कुमार राउत, रवि रौशन और नवनीत कुमार गिरि ने कहा कि 11 नवम्बर को सभी लोग मतदान अवश्य करें।

संक्षिप्त समाचार

लेशी सिंह का पप्पू यादव पर तीखा हमला,कार्यकर्ताओं को बंधक बनाने और बदतमीजी का आरोप

लेशी सिंह

बीएनएम @ पूर्णिया विधानसभा क्षेत्र में चुनावी तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। धमदाहा सीट से जदयू प्रत्याशी और बिहार सरकार की मंत्री लेशी सिंह ने पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रविवार को पूर्णिया में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि पप्पू यादव ने चुनावी मर्यादा को तोड़ते हुए उनके परिवार और समर्थकों के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी शुरू कर दी है।लेशी सिंह ने आरोप लगाया कि सांसद पप्पू यादव उनके कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "मेरे कुछ कार्यकर्ताओं को बंधक बनाकर उनके साथ बदतमीजी की गई है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद शर्मनाक है। सांसद होकर अगर वे इस तरह की हरकतें करेंगे तो इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"मंत्री ने कहा कि जनता के बीच जाकर अपने विचार रखना हर उम्मीदवार का अधिकार है, लेकिन किसी के परिवार को घसीटना या झूठे आरोप लगाना लोकतंत्र की मर्यादा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि "पप्पू यादव और राजद हार की बौखलाहट में इस तरह की हरकतें कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें जनता का मूड समझ में आ गया है।"लेशी सिंह ने निर्वाचन आयोग से भी इस मामले में संज्ञान लेने की मांग की और कहा कि चुनावी माहौल को अशांत करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि धमदाहा की जनता विकास चाहती है, न कि झूठे आरोपों और धमकियों की राजनीति।

महिला ने अपने ही परिवार के सदस्यों पर कराई प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ जमुई/ झाझा। थानाक्षेत्र के चरघरा की रहने वाली एक महिला ने अपने ही परिवार के सदस्यों के ऊपर निर्माण हो रहे मकान के कार्य को रोकर मारपीट करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज आवेदन में महिला कांति देवी ने बताई की मैं अपने हिस्से की जमीन पर मकान बनवा रही थी कि तभी देवर जयप्रकाश यादव, और उसके साथ मे गणेश यादव, श्रवण कुमार, उमा देवी, विनोद यादव, मुकेश यादव, विपिन यादव ने लाठी डंडे, तलवार एवं अन्य चीजों से लैस होकर आया और मजदूरों को काम रोकने की धमकी देते हुए गाली गलौज कर भगा दिया फिर मकान बनाने में उपयोग किए जा रहे सामग्री को क्षतिग्रस्त कर दिया। मना करने पर वे लोग मारपीट करते हुए मुझें घायल कर दिया। जब मेरा पति देवनारायण यादव, बेटा रविन्द्र कुमार यादव, गुड्डू यादव, दिनेश यादव, बहु विरमा देवी बचाने के लिए आया तो उक्त सभी लोगों ने उनलोगों के साथ भी मारपीट कर घायल कर दिया। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस नामजद लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में जुट गई है।

अर्धसैनिक बलों ने किया फ्लैग मार्च

बीएनएम @ कौआकोल। विधानसभा चुनाव 2025 को शांति पूर्ण माहौल में संपन्न कराए जाने को लेकर एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से अर्धसैनिक बलों ने रविवार को कौआकोल में फ्लैग मार्च किया। इस दरम्यान अर्धसैनिक बलों ने प्रखंड क्षेत्र के कौआकोल रोह मार्ग, कौआकोल पकरीबरावां मुख्य मार्ग, कौआकोल महुलियाटांड़ मुख्य मार्ग तथा कौआकोल अलीगंज मुख्य मार्ग के विभिन्न हिस्सों में फ्लैग मार्च किया।

प्रचार का शोर थमा, गोलबंद होने लगे मतदाता

बीएनएम @कौआकोल। विधानसभा चुनाव के तहत द्वितीय चरण में 11 नवम्बर को होने वाले मतदान का प्रचार रविवार की शाम थम गया। प्रचार थमने के साथ ही मतदाता गोलबंद होने लगे। इसके साथ ही विभिन्न दल के प्रत्याशियों का बिना तामझाम एवं भीड़भाड़ के ही गांव गांव का भ्रमण शुरू हो गया है। सभी प्रत्याशी अपनी जीत सुनिश्चित करने के मकसद से मतदाताओं को अपनी मोड़ने के लिए जी-तोड़ मेहनत करने लगे हैं। प्रचार का शोर थमने के साथ विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थक अपनी पार्टी की जीत का गणित बनाने में मशगूल होने लगे हैं।

भोजपुरी के शेक्सपियर भिखारी ठाकुर का पैतृक गांव गंगा के भीषण कटाव, पलायन शुरू

बीएनएम @ पटना/छपरा

सैकड़ों बीघा जमीन-घर नदी में समाए, कुतुबपुर-दियारा में मचा हाहाकार

भीषण कटाव से दशहत में ग्रामीण

भोजपुरी के महान लोकनायक और "भोजपुरी के शेक्सपियर" कहे जाने वाले भिखारी ठाकुर का गांव इन दिनों गंगा नदी के भीषण कटाव की चपेट में है। सारण जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत कुतुबपुर-दियारा और आसपास के इलाकों में गंगा का रुख लगातार बदल रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।शनिवार सुबह से ही नदी के किनारे की मिट्टी तेज़ी से धंसने लगी, जिससे कई जगह खेत और घर नदी में समा गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कटाव अब तीन पंचायतों — कोटवापट्टी रामपुर, कुतुबपुर और महाजी — तक फैल चुका है। सैकड़ों बीघा उपजाऊ जमीन बह चुकी है और दर्जनों परिवारों के घर खतरे में हैं।ग्रामीणों ने बताया कि नदी की धार इतनी तेज़ है कि खेतों की मेड़ और पक्के मकान तक ध्वस्त हो रहे हैं। लोगों की आंखों के सामने उनकी मेहनत की ज़मीन और यादों के घर नदी में समा रहे हैं। कई परिवार अपना सामान समेटकर सुरक्षित जगहों की ओर पलायन कर रहे हैं।कुछ ही दिन पहले जवइनीया गांव की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, जहां गंगा का जलस्तर बढ़ने से पूरा इलाका जलमग्न हो गया था। अब वही भयावह स्थिति कुतुबपुर-दियारा में दिख रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो भिखारी ठाकुर का पैतृक गांव इतिहास बनकर रह जाएगा।लोगों का आरोप है कि कटाव रोकने के लिए प्रशासन और जल संसाधन विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। केवल कागजों में योजनाएं बन रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर न तो बालू से भरे थैले लगाए गए हैं और न ही बंधा निर्माण का काम शुरू हुआ है।स्थानीय निवासी रामप्रवेश ठाकुर ने कहा, "हम रोज़ अधिकारियों से गुहार लगाते हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती। अब तो गांव के लोग डर में जी रहे हैं। रातों में नींद नहीं आती कि कब गंगा घर तक पहुंच जाए।"फिलहाल गंगा का पानी तेजी से आगे बढ़ रहा है और विशेषज्ञों का कहना है कि अगर तत्काल राहत कार्य नहीं हुआ तो अगले कुछ दिनों में कटाव का दायरा और बढ़ सकता है।

बगहा में हरियाणा के सीएम का रोड शो

बीएनएम @ बगहा (पश्चिमी चंपारण)

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच एनडीए ने अपने प्रचार अभियान को रफ्तार दे दी है। शनिवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बगहा में एनडीए प्रत्याशी राम सिंह के समर्थन में विशाल रोड शो किया। पूरे शहर में चुनावी जोश चरम पर दिखा। सड़क किनारे खड़ी भीड़ और घरों की छतों से हाथ हिलाते लोगों ने 'जय मोदी', 'जय एनडीए' और 'राम सिंह जिंदाबाद' के नारों से माहौल को पूरी तरह चुनावी रंग में बदल दिया।रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री सैनी ने जनता से संवाद करते हुए कहा कि बिहार में विकास तभी संभव है जब एक मजबूत और स्थिर सरकार बने। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने गरीबों, किसानों और युवाओं के लिए अभूतपूर्व योजनाएं देखी हैं, जो अब हर घर तक पहुंच रही हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल केवल वोट बैंक की राजनीति करते हैं, जबकि एनडीए विकास और सुशासन की राजनीति पर विश्वास रखता है।रोड शो में भाजपा और जेडीयू के स्थानीय नेताओं की बड़ी मौजूदगी रही। महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। बगहा का चुनावी माहौल इस रोड शो के बाद पूरी तरह गर्मा गया है और एनडीए खेमे में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

तेजस्वी यादव का जन्मदिन बना राजनीतिक उत्सव

» राबड़ी आवास के बाहर देर रात तक जश्न

बीएनएम @पटना

बिहार की सियासत इन दिनों चुनावी जोश में डूबी है और इसी बीच शनिवार का दिन राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के लिए खास बन गया। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव का आज 36वां जन्मदिन है, जिसे पार्टी कार्यकर्ताओं ने "राजनीतिक उत्सव" में बदल दिया।पटना में राजद कार्यालय और राबड़ी आवास के बाहर सुबह से ही समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। ढोल-नगाड़ों की थाप पर कार्यकर्ता नाचते-गाते हुए तेजस्वी को "बिहार का भावी मुख्यमंत्री" कहकर बधाई दे रहे थे। प्रदेश कार्यालय के बाहर लगाए गए बड़े-बड़े पोस्टरों पर लिखा था — "बिहार के मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव", जो इस मौके को राजनीतिक संदेश में बदलता दिखा।बीती रात तेजस्वी यादव ने अपने परिवार — राबड़ी देवी, मीसा भारती और पत्नी राजश्री — के साथ केक काटा। आधी रात को हुआ यह जश्न सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। समर्थकों ने पटाखे फोड़े, नारे लगाए और केक काटने के बाद देर रात तक डांस किया।जन्मदिन के मौके पर देशभर से शुभकामनाओं का सिलसिला भी जारी रहा। सबसे अहम राजनीतिक संदेश समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बधाई संदेश से मिला। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा — "बिहार के जनप्रिय 'नौकरी-नायक' युवा नेता तेजस्वी यादव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और बिहार के आगामी मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने की अनंत शुभकामनाएं।"तेजस्वी के समर्थकों ने इसे "बदलाव की शुरुआत" बताते हुए दावा किया कि इस बार जनता बिहार को नया नेतृत्व देगी।

निरहुआ का वारः "अश्लील गानों के उस्ताद खेसारी के साथ घूमते हैं तेजस्वी

बीएनएम @ पटना पटना/छपरा

भोजपुरी सिनेमा से राजनीति में आए भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी को यह बताना चाहिए कि "अश्लील गानों के उस्ताद" कहे जाने वाले गायक खेसारी लाल यादव उनके साथ क्यों दिखाई देते हैं। निरहुआ ने कहा कि तेजस्वी अपने बयानों से बार-बार पलटते हैं। कभी वे कहते हैं कि उन्होंने अश्लील गानों की कला रवि किशन, मनोज तिवारी, पवन सिंह और निरहुआ से सीखी है, और जब सवाल उठता है कि क्या वे इन्हें फॉलो करते हैं, तो वे साफ इनकार कर देते हैं।निरहुआ ने कहा कि तेजस्वी अपने किसी भी बयान पर टिक नहीं पाते और अब "भागने की तैयारी" में हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "तेजस्वी के बयानों से साफ है कि वे मैदान छोड़ने वाले हैं।" भाजपा सांसद ने यह भी कहा कि वह आज़मगढ़ के लिए लगातार काम कर रहे हैं, जबकि तेजस्वी को अपने क्षेत्र छपरा से भागने की बजाय जनता के बीच रहना चाहिए।अपने धार्मिक रुख पर बोलते हुए निरहुआ ने दोहराया कि वे राम मंदिर, काशी और मथुरा के मुद्दों पर अडिग हैं। उन्होंने कहा, "मैंने हमेशा कहा कि अयोध्या तो झांकी है, काशी-मथुरा बाकी है। हम अपने धर्म की बात भी करेंगे और जनता को शिक्षा, रोजगार व सुरक्षा भी देंगे।"निरहुआ ने यह भी कहा कि हारने के बावजूद उन्होंने आज़मगढ़ नहीं छोड़ा, बल्कि लोगों की सेवा में लगे हैं। उन्होंने कहा, "मैं आज़मगढ़ के लिए लड़ता रहूंगा, लेकिन तेजस्वी से कहिए कि छपरा छोड़कर भागें नहीं।

बगहा में भाजपा का भव्य रोड शो, नेताओं को मिला जनसमर्थन

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश कर रहा तेजी से विकास : मुख्यमंत्री

बीएनएम @ बगहा

रोड शो करते हैं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह व अन्य

बगहा विधानसभा में भाजपा द्वारा रविवार को एक भव्य रोड शो का आयोजन किया गया, जो मलकौली चौराहा से प्रारंभ होकर चौतरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत इंग्लिशया चौक तक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी, केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री सतीश चंद्र दुबे, भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री स्मृति सिन्हा, उत्तर प्रदेश के खड्डा विधायक विवेकानंद पांडेय तथा एनडीए के विधायक प्रत्याशी राम सिंह शामिल हुए।रोड शो के दौरान हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक सड़क के दोनों ओर जुटे रहे। भगवा रंग से सजे झंडे और पोस्टरों के बीच "फिर एक बार मोदी सरकार" तथा "भारत माता की जय" के नारों से वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा। जनता ने जगह-जगह नेताओं का फूलमालाओं से स्वागत कर उनके प्रति समर्थन व्यक्त किया। भोजपुरी अभिनेत्री को देखने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर मौजूद रहे।अपने संबोधन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास कर रहा है तथा भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना से कार्य कर रही है। केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा गरीबों, किसानों और युवाओं के हित में कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ सीधे जनता तक पहुंच रहा है। विधायक विवेकानंद पांडे ने लोगों से अपील की कि वे क्षेत्र के विकास और सुशासन के लिए भाजपा को समर्थन दें।रोड शो के दौरान जनसैलाब उमड़ने से क्षेत्र का राजनीतिक माहौल और अधिक गर्म हो गया। नेताओं ने भाजपा प्रत्याशी राम सिंह के पक्ष में मतदान करने की अपील की और जनता ने उत्साह के साथ समर्थन प्रकट किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

प्रचार के अंतिम दिन जीविका दीदियों ने लिया संकल्प

कैंडल मार्च निकालकर मतदाता को जागरूक करती महिलाएं

बीएनएम @ जमुई

बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार की समाप्ति पर जमुई जिले में जीविका दीदियों ने मतदाता जागरूकता का एक व्यापक और प्रभावी अभियान चलाया। लोकतंत्र को उत्सव मानते हुए, दीदियों ने "मेरा वोट, मेरा अधिकार" का संदेश जन-जन तक पहुँचाया और सभी मतदाताओं से आगामी 11 नवम्बर को मतदान करने की पुरज़ोर अपील की। जिले के खैरा प्रखंड में कुरवाटांड की संस्कार जीविका की दीदियों ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर में मतदाता शपथ ली, वहीं गरही पंचायत में उपकार और जागरण ग्राम संगठनों ने प्रभात फेरी निकालकर ग्रामीणों को जागरूक किया। इसके समानांतर, झाझा प्रखंड के ताराकुरा करहरा, पैरगाहा, करहरा और कोड़वाडीह छापा के विभिन्न ग्राम संगठनों—सदभावना, प्रगति, गंगा, माँ संतोषी और शिवाजी—की दीदियों ने कैंडल जलाकर "एक-एक वोट, लोकतंत्र को मजबूत वोट" का संकल्प लिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशन में चल रहे स्वीप अभियान के तहत जीविका दीदियों की यह सक्रिय भूमिका जमुई जिले में शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगी।

जमुई के महादलित टोलों में गूंजा "मेरा वोट मेरा अधिकार"

मतदाता को जागरूक करते शिक्षा सेवक व मित्र

» शत-प्रतिशत मतदान' का संकल्प

बीएनएम @ जमुई

आगामी 11 नवम्बर को होने वाले मतदान को देखते हुए, विभिन्न प्रखंडों के दूरस्थ महादलित टोलों और नगर परिषद क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम (स्वीप गतिविधि) को विकास मित्रों और शिक्षा सेवकों द्वारा एक व्यापक अभियान का रूप दिया गया है। इस अभियान के तहत, चौडीहा के पीरा महादलित टोला, कुंदरी संकुरहा के महुगाय मुसहरी टोला, गरसंडा के बुकार मुसहरी टोला, मंझवे के मांझी, रविदास टोला, थेगुआ के लठाने मुशहरी टोला, एवं नगर परिषद जमुई के वार्ड संख्या 26 के रविदास टोला, वार्ड 21के मांझी टोला, वार्ड 22के बसफोड़ी टोला, वार्ड 30के रविदास टोला और वार्ड 8के सिरचन्दनवादा मुसहरी टोला सहित कई अन्य टोलों में विशेष आयोजन किए गए।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों के बीच "पहले मतदान फिर जलपान" जैसे सशक्त नारे लगाए गए, जिससे मतदाता अपने नागरिक कर्तव्य के प्रति प्रेरित हों। विकास मित्रों और शिक्षा सेवकों ने महादलित वर्ग के वोटरों को मतदान के महत्व और "मतदान अवश्य करें" के संदेश से विस्तार से अवगत कराया। जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही, इन टोलों के मतदाताओं से, विशेष रूप से महादलित वर्ग की महिलाओं से, मतदान केंद्र तक पहुंचने में आने वाली समस्याओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई, ताकि सभी के लिए निर्बाध रूप से वोट डालना सुनिश्चित किया जा सके। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में महादलित टोला की महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।

राजनगर में महिला मोर्चा ने की जनसंपर्क अभियान की शुरुआत

» एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में मांगा वोट

बीएनएम @ मधुबनी

बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र राजनगर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने रविवार को जनसंपर्क अभियान चलाया। भाजपा महिला मोर्चा दरभंगा की नेता मीना झा ने बताया कि महिला वर्ग से अपील की गई कि वे एनडीए प्रत्याशी सुजीत पासवान को भारी मतों से विजयी बनाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास की नई दिशा पाई है, इसलिए जनता को कमल निशान पर वोट देकर इन हाथों को और मजबूत करना चाहिए।जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान नौर पंचायत अध्यक्ष शैलेंद्र झा, पंचायत अध्यक्ष सोनू भाई और महिला मोर्चा की पूर्व जिला अध्यक्ष पूनम मलिक भी मौजूद रहीं। कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की महिलाओं से घर-घर जाकर संवाद किया और केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।मीना झा ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण, उज्ज्वला योजना, हर घर नल का जल और जनधन योजना जैसी योजनाओं से ग्रामीण महिलाओं का जीवन बदला है। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार ने सुरक्षा, विकास और सामाजिक सम्मान की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। महिला मोर्चा का यह अभियान चुनाव तक लगातार चलेगा, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं मतदान में हिस्सा लेकर स्थिर और विकासशील सरकार के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

योगापट्टी में अमरपाली दुबे व आनंद मोहन के रोड शो में उमड़ी भीड़

बीएनएम @ योगापट्टी

रोड शो कहते आम्रपाली दुबे व आनंद मोहन

योगापट्टी में भोजपुरी अभिनेत्री अमरपाली दुबे।व आनंदमोहन ने भाजपा प्रत्याशी विनय बिहारी के समर्थन में रोड शो किया। लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। शो की शुरुआत मच्छरगांवा से हुई और यह विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए वापस लौटा। अमरपाली दुबे व आनंद मोहन ने एनडीए के समर्थन में वोट देने की अपील लौरिया विधानसभा के समर्थन में रविवार को रोड शो किया। इस मौके पर योगापट्टी में लोगों का जनसैलाब उनकी एक झलक पाने के लिए सड़क पर उमड़ पड़ा। रोड शो की शुरु मच्छरगांवा से हुई, जो योगापट्टी के मुख्य मार्ग में नवलपुर सेमरी बलुआ त्रिवेणी चौक योगापट्टी फतेहपुर लक्ष्मीपुर चमैनिया सेमरा जगदम्बापुर लौरिया शनिचरी समेत अन्य क्षेत्रों में रोड शो के लिए निकल गई।उनका काफिला वापसी के दौरान रास्ते मच्छरगांवा पहुची। मच्छरगांवा में एनडीए कार्यकर्ताओं के द्वारा उनके भव्य स्वागत की तैयारी की गई है।उनका काफिला सड़क मार्ग से कई क्षेत्रों से गुज़रा। समर्थकों ने जगह-जगह फूल-मालाओं से अमरपाली दुबे आनंद मोहन और लौरिया विधानसभा के प्रत्याशी विनय बिहारी का भव्य रूप से स्वागत किया। अमरपाली दुबे व आनंद मोहन ने रोड शो के दौरान लोगों से एनडीए के समर्थन में वोट करने और एनडीए की सरकार बिहार में बनाने की अपील की।इस बार फिर से बीजेपी प्रत्याशी के रूप में विनय बिहारी मैदान में हैं। इस दौरान योगापट्टी थानाध्यक्ष और नवलपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में विधि व्यवस्था चाक-चौबंद नजर आई।भोजपुरी सिनेमा से राजनीति में आए भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी को यह बताना चाहिए कि "अश्लील गानों के उस्ताद" कहे जाने वाले गायक खेसारी लाल यादव उनके साथ क्यों दिखाई देते हैं। निरहुआ ने कहा कि तेजस्वी अपने बयानों से बार-बार पलटते हैं। कभी वे कहते हैं कि उन्होंने अश्लील गानों की कला रवि किशन, मनोज तिवारी, पवन सिंह और निरहुआ से सीखी है, और जब सवाल उठता है कि क्या वे इन्हें फॉलो करते हैं, तो वे साफ इनकार कर देते हैं।निरहुआ ने कहा कि तेजस्वी अपने किसी भी बयान पर टिक नहीं पाते और अब "भागने की तैयारी" में हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "तेजस्वी के बयानों से साफ है कि वे मैदान छोड़ने वाले हैं।" भाजपा सांसद ने यह भी कहा कि वह आज़मगढ़ के लिए लगातार काम कर रहे हैं, जबकि तेजस्वी को अपने क्षेत्र छपरा से भागने की बजाय जनता के बीच रहना चाहिए।

संपादकीय

निष्ठावान बने रहें

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रुपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया। किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है। सत्य के आधार पर असत्य और अहिंसा के आधार पर हिंसा चल रही है। सारे हिंसक बन जाएं, तो हिंसा अधिक नहीं चल सकती। हम गहराई से चिन्तन करें कि सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है निष्ठा, पराविद्या की निष्ठा। भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बना रहे। हम परम को भी देखें, अपरम को भी देखें। सत्यनिष्ठा रचनात्मक दृष्टिकोण की उपलब्धि ही तो है।

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणाली: मौतों का भयावह यथार्थ

ललित गर्ग

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिशयोक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा?

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ "सफलता" का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को "प्रदर्शन की प्रतियोगिता" बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है।

एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-"पढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया।" आज की शिक्षा बच्चों को केवल "जानकार" बना रही है, "ज्ञानी" नहीं। विद्यालयों में रट्टामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा "प्रतियोगिता का उद्योग" पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं।

साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी। नीति में "होलिस्टिक लर्निंग", "जॉयफुल एजुकेशन", "रिड्यूस्ड बोर्ड प्रेशर" जैसे शब्द तो हैं, पर व्यवहारिक स्तर पर हालात में कोई ठोस परिवर्तन नहीं आया। स्कूलों में परीक्षा का दबाव जस का तस है, कॉलेजों में बेरोजगारी का डर और कोचिंग की होड़ बढ़ी है। शिक्षा नीति के भीतर आत्महत्या जैसे मानसिक स्वास्थ्य संकट पर कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। जब तक शिक्षा नीति का केंद्र मानव-निर्माण नहीं होगा, तब तक यह प्रणाली केवल आंकड़े बढ़ाएगी-आत्महत्याओं के भी और बेरोजगारों के भी। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है? महात्मा गांधी ने कहा था-"शिक्षा का अर्थ है शरीर, मन और आत्मा का सम्यक विकास।" स्वामी विवेकानंद ने भी कहा "शिक्षा वह है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबल भर दे।" परंतु आज की शिक्षा न शरीर को स्वस्थ रख पा रही है, न मन को शांत, न आत्मा को ऊँचा। बच्चों को किताबों के बोझ तले दबा दिया गया है, पर जीवन की समझ नहीं दी गई। उन्हें बताया गया कि असफलता अपराध है, जबकि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक तो असफलता ही होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों को यह समझना होगा कि बच्चा कोई प्रोजेक्ट नहीं, एक जीवित आत्मा है। उसे सफलता के साँचे में ढालने से पहले उसे अपने ढंग से खिलने का अवसर देना जरूरी है। शिक्षक यदि केवल अंक देने वाले बन जाएँ और अभिभावक केवल रिपोर्ट कार्ड से बच्चे की योग्यता मापें, तो बच्चे का आत्मसम्मान कुचलना निश्चित है। जरूरी है कि घर और स्कूल दोनों जगह एक भावनात्मक संवाद स्थापित हो-जहाँ बच्चा अपनी असफलता, डर और उलझन को बिना भय के साझा कर सके।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। अधिकांश स्कूलों में काउंसलिंग सिस्टम या तो है ही नहीं या नाममात्र का है। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जाता कि "तनाव से कैसे निपटें", "असफलता को कैसे स्वीकारें" या "भावनाओं को कैसे व्यक्त करें।" जिन्हें हम "टॉपर" कहते हैं, वे अक्सर भीतर से टूटे हुए होते हैं। आत्महत्या करने वाले बच्चों के पीछे अक्सर यह मनोवैज्ञानिक सत्य होता है कि उन्होंने कभी किसी से अपनी व्यथा कही ही नहीं। शिक्षा को केवल सूचना-प्राप्ति का माध्यम नहीं, जीवन-समझ का साधन बनाना होगा। जब तक बच्चों को यह नहीं सिखाया जाएगा कि जीवन अंक-पत्र से बड़ा है, तब तक यह संकट बना रहेगा। विद्यालयों में ध्यान, योग, संवाद, कला, संगीत और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, संवेदना-केंद्रित संस्कृति गढ़नी होगी।

देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता।यह प्रश्न अब टालने योग्य नहीं रहा कि क्या हम बच्चों को पढ़ा रहे हैं या उन्हें धीरे-धीरे तोड़ रहे हैं? शिक्षा यदि आत्महत्या का कारण बन जाए, तो उससे बड़ा विडंबनापूर्ण पराजय कोई नहीं। जरूरत है ऐसी शिक्षा की जो बच्चों को जीवन से प्रेम करना सिखाए, न कि जीवन से भागना। महर्षि अरविंद ने कहा था-"सच्ची शिक्षा वह है जो भीतर की दिव्यता को प्रकट करे।" समय आ गया है कि हम शिक्षा की दिशा को पुनर्परिभाषित करें, जहाँ परीक्षा नहीं, व्यक्तित्व महत्वपूर्ण हो; रैंक नहीं, रचनात्मकता का मूल्य हो; और सफलता नहीं, संतुलन एवं सुख शिक्षा का लक्ष्य बने। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा-14,000 से बढ़कर, हमारी सामूहिक संवेदनहीनता की जीवित कब्र बन जाएगा। निस्संदेह, देश के स्कूली छात्रों में आत्मघात की प्रवृत्ति राष्ट्र की गंभीर क्षति है, जिसे संवेदनशील ढंग से दूर करने की तत्काल जरूरत है।

ऐसे देश को छोड़ देना चाहिए जहाँ न आदर है, न जीविका, न मित्र, न परिवार और न ही ज्ञान की आशा।
- विनोबा भावे

अपने उसूलों के लिये, मैं स्वंय मरने तक को भी तैयार हूँ, लेकिन किसी को मारने के लिये, बिल्कुल नहीं। - महात्मा गाँधी

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, मार्ग शीर्ष कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पूर्व तिथि पंचमी/षष्ठी, सोमवासरे, पुनर्वसु नक्षत्र, साध्य योगे, तैतिल करणे, मिथुन की चंद्रमा, भद्रा 59/1 सर्वार्थ सिद्ध योग 46/43 जातकर्म नामाकरण अन्नप्रासन औषधि सेवन वाहन क्रय विक्रय पुनर्वसु उग्रकर्म तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनी-मानी, शासक-प्रशासक, उत्तम वृत्ति वाला, कार्य में निपुर्ण, बिल्डर, बाडी मेकर, ट्रक-ड्राईवर होगा।

मेष राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, अर्थ-व्यवस्था अनुकूल, सामाजिक कार्य अवश्य होंगे।
वृष राशि :- थकावट, असमर्थता का वातावरण बनेगा, प्रत्येक कार्य में विलम्ब व उद्विग्नता बनेगी।
मिथुन राशि :- कुटुम्ब में तनाव व अशांति, मानसिक विभ्रम तथा धन का लाभ अवश्य ही होगा।
कर्क राशि :- धन का व्यय एवं चिन्तायें असमंजस में रखेंगी, विरोधी तत्व परेशान करेंगे।
सिंह राशि :- आशानुकूल सफलता से संतोष, दैनिक कार्यगति कष्टप्रद होगी, धैर्य रखें।
कन्या राशि :- कार्य-व्यवसाय अनुकूल, चिन्तायें कम होंगी तथा स्वभाव में बेचैनी अवश्य बनेगी।
तुला राशि :- आकस्मिक घटना का शिकार होने से बचें, प्रत्येक कार्य में बाधा उत्पन्न होगी।
वृश्चिक राशि :- कार्य-व्यवसाय में समृद्धि के साधन बनें तथा कार्य-योजना सफल अवश्य होगी।
धनु राशि :- प्रत्येक कार्य में विलम्ब तथा उद्विग्नता अवश्य ही बनेगी, कार्य अवरोध होगा।
मकर राशि :- अधिकारी वर्ग का समर्थन मिले, मनोबल, पराक्रम उत्साहवर्धक होगा।
कुंभ राशि :- दैनिक कार्यगति मंद, मनोबल उत्साहवर्धक होगा, रुके कार्य बन जायेंगे।
मीन राशि :- इष्ट-मित्रों से लाभ, अधिकारी वर्ग का समर्थन मिले, सुख-समृद्धि के साधन बनेंगे।

एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत भारत की गति व आधुनिकता का अध्याय

विनोद कुमार सिंह

8 नवंबर 2025 को जब यह ट्रेन अपनी पहली यात्रा पर रवाना हुई तो दक्षिण भारत ने देखा "यह सिर्फ रेल नहीं,विकास की रफ्तार है।"नई वंदे भारत एक्सप्रेस न केवल यात्रियों के लिए सुविधा का प्रतीक है,बल्कि भारत की तकनीकी प्रगति, पर्यावरणीय संतुलन और आधुनिक रेल परिवहन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।*

दक्षिण भारत के लिए 8 नवंबर 2025 का दिन ऐतिहासिक बन है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जब एक साथ चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का उद्घाटन किया।इन्हीं में से एक है-एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस,जो केरल और कर्नाटक के बीच आधुनिकता, गति और सुविधा का सेतु बनकर उभरी है।यह न केवल एक परिवहन परियोजना है,बल्कि "नया भारत,तेज भारत" की भावना का सशक्त प्रतीक है।आज का दिन दक्षिण भारत के यात्रियों को एक शानदार सौगात मिली।केरल की सांस्कृतिक राजधानी एर्नाकुलम को कर्नाटक की तकनीकी राजधानी बेंगलुरु से जोड़ने वाली यह वंदे भारत ट्रेन अब दोनों राज्यों के बीच यात्रा को तेज,सुरक्षित और आरामदायक बना चुकी है।यह ट्रेन कुल 8 घंटे 40 मिनट में लगभग 575 किलोमीटर की दूरी तय करती है-जो पहले सामान्य एक्सप्रेस ट्रेनों से लगभग 2 घंटे कम है।इस ट्रेन के शुरू होने से न केवल दोनों राज्यों के बीच संपर्क मजबूत होगा बल्कि व्यापार,पर्यटन और सामाजिक रिश्तों को भी एक नई गति मिलेगी।एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस प्रतिदिन दोनों दिशाओं में चलेगी।इस तरह यात्रियों को "वन डे ट्रिप" का लाभ मिलता है-एक ही दिन में आना-जाना संभव है,जिससे व्यापारिक यात्राओं और छोटी पारिवारिक यात्राओं में भारी सुविधा मिलती है।यह वंदे भारत एक्सप्रेस सात प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी-कोयंबटूर,तिरुपुर,इरोड, सलेम,पालक्काड,थ्रिस्सूर और अंत में एर्नाकुलम।सर्वविदित रहे ये सभी स्टेशन न केवल औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं बल्कि सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से दक्षिण भारत की धड़कन हैं।यह सलेम और इरोड -कृषि और लघु उद्योगों के लिए प्रसिद्ध है।वंदे भारत ट्रेन के संचालन से इन शहरों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई दिशा मिलेगी।छोटे और मध्यम उद्योगों के उत्पाद अब तेजी से बाजार तक पहुँच पाएंगे।

एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस में भारतीय रेल की नवीनतम तकनीक का समावेश किया गया है। वंदे भारत ट्रेन में यात्रियों को आराम दायक सीटें जो लंबी यात्रा को थकानरहित बनाती हैं।इसमें स्वचालित दरवाजे और जीपीएस आधारित सूचना प्रणाली -बायो-वैक्यूम शौचालय- स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण है ।इन सभी विशेषताओं के साथ यह ट्रेन पारंपरिक एक्सप्रेस ट्रेनों की तुलना में अधिक कुशल,सुरक्षित और समयनिष्ठ बन चुकी है।

एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस पूरी तरह भारतीय तकनीक और इंजीनियरिंग से निर्मित है।चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आई सी एफ)में इस ट्रेन का निर्माण हुआ है,जो "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" के विज़न को साकार करती है।वंदे भारत ट्रेन का यह संस्करण अधिक ऊर्जा-सक्षम है।पर्यावरण-अनुकूल और रखरखाव में सस्ता है।इसका एरोडायनामिक डिज़ाइन गति और स्थिरता दोनों को संतुलित करता है।केरल के हरित सौंदर्य और कर्नाटक की आधुनिकता को जोड़ने वाली यह ट्रेन दक्षिण भारत के पर्यटन मानचित्र में नया अध्याय जोड़ रही है।भारत की आईटी राजधानी,जहाँ हर वर्ष लाखों पेशेवर और पर्यटक पहुँचते हैं।इस ट्रेन के माध्यम से पर्यटकों को अब कम समय में इन शहरों के बीच यात्रा का अवसर मिलेगा।धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यावसायिक यात्राएँ अधिक सुलभ होंगी।बेंगलुरु के आईटी सेक्टर, कोयंबटूर के टेक्सटाइल उद्योग और एर्नाकुलम के पोर्ट-आधारित व्यापार को अब एक तेज़, सटीक और समयबद्ध परिवहन माध्यम मिल गया है।यह ट्रेन छोटे और मध्यम व्यापारियों के लिए गेम-चेंजर साबित होगी।ट्रांसपोर्ट की लागत कम होगी और व्यापारिक नेटवर्क मजबूत बनेगा।रेल मंत्रालय का उद्देश्य है कि वंदे भारत जैसी हाई-टेक ट्रेनों के माध्यम से देश के सभी प्रमुख शहरों को जोड़ा जाए।इससे यात्रा का समय घटेगा,ऊर्जा की खपत कम होगी और यात्रियों का अनुभव विश्वस्तरीय बनेगा।अब तक देश में 60 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं,जिनमें से कई दक्षिण भारत में भी हैं।एर्नाकुलम-बेंगलुरु मार्ग पर इस नई ट्रेन के जुड़ने से दक्षिण भारत में वंदे भारत नेटवर्क और भी सशक्त हो गया है।

रेल सुरक्षा: सुधार की पटरियों पर कब चढ़ेगा सिस्टम?

योगेश कुमार गोयल

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है, जिसने सुरक्षा को केवल एक चुनावी 'घोषणापत्र' सरीखा बनाकर रख दिया है। बिलासपुर के लालखदान में हुआ हालिया रेल हादसा इसी गहरी लापरवाही का ताजा उदाहरण है, जहां एक मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए। इंजन मालगाड़ी के गार्ड केबिन पर चढ़ गया और वह मंजर किसी युद्धस्थल से कम नहीं था। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी 'कागज पर कवच' से ज्यादा कुछ नहीं है। इस हादसे की भयावहता के साथ ही जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं, तो एक सिहरन सी उठती है। महाराष्ट्र के ठाणे में जून 2025 में चार यात्रियों की मौत केवल इसलिए हुई थी क्योंकि भीड़भाड़ वाली दो लोकल ट्रेनों में पायदान पर लटकते यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए थे। बिहार के कटिहार में जून 2025 में अवध असम एक्सप्रेस रेलवे ट्रॉली से टकरा गई, जिससे एक ट्रॉलीमैन की मौत और चार कर्मचारी गंभीर घायल हुए। मार्च में ओडिशा के कटक जिले में बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। अप्रैल 2025 में झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई। जुलाई 2025 में उसी जिले के बरहड़वा में बिना लोको पायलट की 14 बोगियां तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी मालगाड़ी से जा टकराईं। बिलासपुर का हादसा तो इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार रेल मंत्रालय बयान देता है, 'दोषियों पर कार्रवाई होगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', 'जांच समिति गठित की गई है', और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल 'प्रतिक्रिया देने वाला तंत्र' बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है? भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत बड़ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी कि या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं। इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। बीते वर्षों से 'कवच' सिस्टम को लेकर खूब प्रचार किया गया, कहा गया कि यह एक ऐसा स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम है, जो दो ट्रेनों को टकराने से बचाएगा लेकिन आज की हकीकत यह है कि देश के केवल 4 प्रतिशत रेल नेटवर्क पर ही कवच लागू हुआ है, बाकी 96 प्रतिशत ट्रैक आज भी मानव सतर्कता पर निर्भर हैं और यही सबसे बड़ा खतरा है। रेल प्रशासन का रवैया भी उतना ही असंवेदनशील है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है लेकिन यह मुआवजा न किसी बच्चे को उसका पिता लौटा सकता है, न किसी पत्नी को उसका पति, न किसी मां को उसका बेटा। जरूरत मुआवजे की नहीं, जवाबदेही की है। यह दुर्भाग्य है कि जिस भारतीय रेलवे को 'विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था' कहा जाता है, वहां अब भी अधिकांश ट्रैक ब्रिटिश कालीन तकनीक पर चल रहे हैं। ट्रेन ड्राइवरों को 8 से 12 घंटे तक बिना विश्राम रेल चलाने की मजबूरी, सिग्नलिंग उपकरणों की खराबी और निरीक्षण प्रणाली की औपचारिकता, ये सब मिलकर दुर्घटना की जमीन तैयार करते हैं। ऐसी किसी भी घटनां के बाद हर बार राजनीतिक बयानबाजी शुरू होती है, रेल मंत्री हादसे की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान करते हैं और कुछ हफ्तों बाद कोई नई परियोजना या वंदे भारत उद्घाटन के बीच वह घटना जनता की स्मृति से मिट जाती है लेकिन जो परिवार अपनों को खो चुके होते हैं, उनके लिए वह हादसा जीवनभर की सजा बन जाता है। भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50,000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है। नवंबर 2024 तक कवच सिस्टम लगभग 1,548 किलोमीटर ट्रैक पर लागू हो चुका था और उसके बाद से धीमी गति से इसका विस्तार जारी है। ऐसे में 2027 तक 50,000 किलोमीटर कवच से लैस करने का लक्ष्य प्राप्त करना अभी बहुत चुनौतीपूर्ण दिख रहा है और लक्ष्य से काफी पीछे है। विस्तृत कवच नेटवर्क के लिए काफी संसाधन और समय की आवश्यकता है। सवाल यह भी है कि जब देश अंतरिक्ष में चंद्रयान उतार सकता है तो पटरियों पर सुरक्षित यात्रा क्यों नहीं सुनिश्चित कर सकता? यह केवल तकनीक का नहीं, प्राथमिकता का प्रश्न है। जब तक सुरक्षा को मुनाफे से ऊपर नहीं रखा जाएगा, जब तक रेल बजट में सुरक्षा खंड को लागत नहीं बल्कि निवेश नहीं माना जाएगा, तब तक यह रक्तरंजित यात्रा जारी रहेगी। बहरहाल, अब समय आ गया है, जब रेल हादसों को मात्र दुर्घटनाएं कहकर टाला नहीं जा सकता क्योंकि ये घटनाएं अब प्रशासनिक अपराधों का रूप ले चुकी हैं। हर साल निर्दोष नागरिकों की जानें जाती हैं और जिम्मेदारी जांच रिपोर्टों की धूल में दबी रह जाती है। देश को अब उस मानसिकता से बाहर निकलना होगा, जहां 'हादसे के बाद कार्रवाई' ही नीति बन चुकी है। आवश्यकता है ऐसी व्यवस्था की, जो दुर्घटनाओं से पहले सतर्कता और रोकथाम सुनिश्चित करे। यात्रियों की सुरक्षा कोई दया नहीं, उनका संवैधानिक अधिकार है, जो केवल कागज पर नहीं, पटरियों पर भी सुरक्षित होना चाहिए। जब तक हर ट्रेन यात्रा भय से नहीं, विश्वास से शुरू और समाप्त नहीं होती, तब तक भारतीय रेल प्रगति की नहीं, असंवेदनशीलता की प्रतीक बनी रहेगी। सच्चा विकास तभी होगा, जब हर गंतव्य तक पहुंचने वाली ट्रेन हर यात्री को सुरक्षित जीवन की गारंटी दे सके।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अंग्रेजों के दौर के भूमि कानूनों की वजह केस बढ़ने से सुप्रीम ने दिए निर्देश

कांतिलाल मांडोत

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी करते हुए विधि आयोग से अध्ययन कर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।देश मे अंग्रेजो के जमाने के भूमि कानून आज के समय मे अपेक्षा मुजब ठीक नही है।अदालत ने केस की जिरह पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सम्पति खरीदना आघात जैसा है।आज कोई भी व्यक्ति पुष्तैनी जमीन मालिक पर अपना हक अदा कर सकता है।गांवो में दबंगों द्वारा अक्सर ऐसी घटना प्रकाश में आती है कि जूठी चिट्टी बनाकर उस पर एक दो दबंगो के हस्ताक्षर कराकर जमीन का मालिकाना हक अदा करने जैसे मामले सामने आ रहे है।कोर्ट में ब्लोकचेन आधारित भूमि स्वामित्व प्रणाली विकसित करने के लिए जोर दिया।कोर्ट ने संस्थागत सुधार की भी जरूरत पर जोर दिया।देश मे अंग्रेजो द्वारा बनाया गया तीन सौ वर्ष पुराना कानून की समीक्षा कर विधि आयोग ऐसे घटिया कानूनों को बंद कर भूमि कानूनों में सरलीकरण और भूमाफियागिरी पर सरकार सख्त रवैया अपनाने पर चर्चा करने की जरुरत है।कोर्ट ने कहा कि 66 प्रतिशत विवाद सम्पत्ति से जुड़े है।भारी मात्रा में भूमि विवादों के लिए मौजूदा सिस्टम मुख्य जिम्मेदार बताते हुए विधि मंत्रालय को अध्ययन करने का निर्देशन दिया।देश मे गांवो में सम्पति को लेकर परिवार में झगड़े होते है।उसमें एक दो की जान भी चली जाती है।यह हम देख रहे है।कोर्ट ने कहा कि पुराना कानूनी ढांचा उपेक्षित करने वाला है ।क्योंकि दस्तावेज,अतिक्रमण, बिचौलियों की भूमिका आदि असमय चिंता बढ़ाने वाले है।कानूनों में बदलाव करने की जरुरत है।आज अनेक सम्भावना से मुह मोड़ने का समय नही है।सरकार ने डिजिटल इंडिया,लैंड रिकार्ड मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम के अच्छे कार्यो की समीक्षा की गई।

भारत में भू-अचल सम्पत्ति का कारोबार तथा उसके कानूनी अभिलेख आदि वर्षों से विवादों, मुकदमों और अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं। हालाँकि कई आधुनिक सुधार हुए हैं, फिर भी एक बड़ी चुनौती यह है कि अधिकांश कानून अभी भी ब्रिटिश राज के समय में बने हैं। इस पृष्ठभूमि में 7 नवंबर 2025 को एससी ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है जिसमें इन पुराने ढर्रे के कानूनों की अक्षमता पर प्रकाश डाला गया है तथा सम्पत्ति पंजीकरण प्रणाली में आधुनिक टेक्नोलॉजी की उपयोगिता जरूरी बताया। विशेष रूप से ब्लॉकचेन को अपनाने का निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने नोट किया है कि देश की संपत्ति लेन-देन व्यवस्था अभी भी लगभग एक शताब्दी पुराने ब्रिटिश-कालीन कानूनों पर आधारित है। उन कानूनों का स्वरुप, प्रक्रियाएँ एवं अवधारणाएँ उस समय के सामाजिक,आर्थिक और तकनीकी माहौल के अनुरूप थीं, लेकिन आज के डिजिटल, तेजी से बदलते और बड़े पैमाने के लेन-देनों के युग में वो पर्याप्त नहीं हैं।

अदालत ने कहा है कि पंजीकरण और स्वामित्व के बीच एक बड़ी समस्या है। उदाहरण के लिए, एक विक्रय-घोषणा को पंजीकृत करना यह नहीं सुनिश्चित करता कि विक्रेता के पास सचमुच उस संपत्ति का 'मार्केटेबल टाइटल' हो। पंजीकरण केवल उस दस्तावेज़ का सार्वजनिक अभिलेख बनाता है, लेकिन स्वामित्व की पुष्टि नहीं करता। इसका परिणाम यह हुआ है कि संपत्ति खरीदने वाला व्यक्ति लंबे समय तक पुराने दस्तावेज़ों की श्रृंखला खंगालता है। कभी-कभी 30 साल से भी अधिक पुरानी लेन-देनों तक — यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई छुपा हुआ बंधक, दावा, एनकम्ब्रेंस न हो।

कोर्ट के संज्ञान में आया है कि अनुमानित रूप से कहा है कि सम्पत्ति विवाद भारत में लगभग 66 % नागरिक दीवानी मुकदमों का हिस्सा हैं। यह स्थिति सिर्फ व्यक्तिगत स्तर पर नहीं प्रतिकूल है बल्कि न्यायपालिका, पंजीकरण अधिकारी, संपत्ति खंड तथा निवेश माहौल के लिए भी बोझ बन रही है।संपत्ति लेन-देनों में अक्सर नकली दस्तावेज़, गलत पंजीकरण, संदिग्ध वृद्धि आदि की शिकायतें आई हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पुराने ढांचे में मध्यस्थों की भूमिका, देरी, जटिलता और पारदर्शिता की कमी प्रमुख कमजोरियाँ हैं। कोर्ट ने कहा है कि ज़माना बदला है। पंजीकरण-प्रणाली को भी बदलना होगा। व्यवहार में इसे सम्पत्ति क्रय आसान नहीं, बल्कि जैसाकि लोग कह रहे हैं 'ट्रॉमेटिक' कहा गया है। विशेष रूप से, SC ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को कहा है कि ब्लॉकचेन-प्रौद्योगिकी को अपनाया जाए ताकि पंजीकरण-और-टाइटल की समस्या का निवारण हो सके — उदाहरण के लिए, पंजीकरण प्रणाली को अपरिवर्तनीय, पारदर्शी ट्रेस-योग्य बनाया जाए। कोर्ट ने Law Commission of India को आदेश दिया है कि वह इस विषय पर समग्र अध्ययन करे। जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों, टेक्नोलॉजी विशेषज्ञों, हितधारकों से परामर्श लिया जाए और एक रिपोर्ट तैयार की जाए जिसमें नए संशोधनों की रूपरेखा हो।बिहार पंजीकरण नियम को अमान्य कहा है, जिसमें विक्रेता के नाम पर पहले म्युटेशन या जमाबंदी का प्रमाण देना अनिवार्य था। SC ने इसे Registration Act के सामने टिकाऊ नहीं माना। ब्लॉकचेन एक वितरित-लेज़र तकनीक है जिसमें लेन-देनों का अभिलेख नेटवर्क के कई प्रतिभागियों द्वारा साझा तथा अद्यतन अपडेट किया जाता है, और एक बार दर्ज हुए डेटा को बाद में बदलना बहुत कठिन होता है।

रिकॉर्ड हो गया, उसे बदला नहीं जा सकता या बदलने पर ट्रेस हो जाता है। पारदर्शिता तथा ट्रेसबिलिटी सम्पत्ति-हिस्सा, पिछले मालिक, बंधक आदि की जानकारी आसानी से ट्रैक-की जा सकती है। नकली दस्तावेज़ या नकली हस्ताक्षर से लेन-देनों को रोकने में मदद मिल सकती है। दस्तावेज़ों की हाथ-मटकी कमी, मैनुअल सत्यापन में कम समय, बेहतर पहुँच।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पहले से की गयी तैयारी का लाभ मिला : अभिषेक

» शीर्ष आक्रमण के सामने अपनी बल्लेबाजी को परखना चाहता था

एजेंसी, ब्रिसबेन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निशाने वाले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा है कि उन्होंने इसके लिए पहले से तैयारी की थी जिसका उन्हें लाभ मिला। अभिषेक के अनुसार उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई हालातों में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपने को मानसिक और तकनीकी रूप से बेहतर बनाया था। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में सफल रहे। वह अपनी बल्लेबाजी को ऑस्ट्रेलिया में शीर्ष स्तर के गेंदबाजी आक्रमण के सामने परखना भी चाहते थे। अभिषेक ने इस सीरीज में पांच मैच में 163 रन बनाए। सीरीज में बारिश के कारण तीन ही मैच हुए जबकि दो मैच रद्द हो गए थे। उन्होंने पांचवें और अंतिम टी20 मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा, 'मैं इस टूर्नामेंट का काफी समय से इंतजार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं तभी से मैं इस दौरे का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। उन्होंने कहा, ''अपने पूरे करियर में मैंने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल है और मैं अपने को इस तरह की गेंदबाजी और हालातों के लिए तैयार करना चाहता था। उनका प्रयास विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों का सामना करने और ऑस्ट्रेलियाई पिचों के हिसाब से अपने खेल को ढालने पर ध्यान देना भी था। पिछले तीन टी20 मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने के कारण खेलने में हुई आसानी को लेकर अभिषेक ने कहा, 'अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाजों का सामना करना होगा। मैं इस तरह के गेंदबाजों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होते हैं। वहीं बल्लेबाजी में अति-आक्रामक रवैये को लेकर अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। अभिषेक ने कहा, 'कप्तान और कोच ने मुझे अपने अनुसार खेलने की आजादी दी है। साथ ही कहा कि एक बल्लेबाज के तौर पर जब आप 20 या 30 रन बनाते हैं तो आप जानते हैं कि आप ज्यादा देर तक खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सीरीज ने अगले साल टी20 विश्व कप में जगह बनाने के उनके इरादे को और बेहतर किया है। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे विश्व कप खेलने का मौका मिला तो यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

जवागल श्रीनाथ की रफ्तार से कांपते थे बल्लेबाज : वेंकटपति राजू

» एक बाउंसर ने दिलीप वेंगसरकर तक को कर दिया था हैरान

एजेंसी, नई दिल्ली

90 के दशक में भारतीय क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाजी का चेहरा रहे जवागल श्रीनाथ को आज की युवा पीढ़ी भले ही उतना न जानती हो, लेकिन एक समय था जब उनकी रफ्तार से दुनिया के दिग्गज बल्लेबाज भी खौफ खाते थे। कपिल देव के संन्यास के बाद श्रीनाथ ने लंबे समय तक भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की अगुवाई की और कई मुकाबलों में भारत को यादगार जीत दिलाई। उन्होंने 348 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 551 विकेट लेकर अपने नाम सुनहरा अध्याय दर्ज किया। श्रीनाथ ने 1991 में टीम इंडिया के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अपने शुरुआती दिनों में ही उन्होंने ऐसी तेज गेंदबाजी दिखाई कि सीनियर खिलाड़ी भी उनसे परेशान हो उठे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटपति राजू ने एक पॉडकास्ट में इस बात का खुलासा किया कि एक बार नेट्स पर दिलीप वेंगसरकर, श्रीनाथ की गति से इतने चकित हुए कि उन्होंने गुस्से में उन्हें गाली तक दे दी। राजू ने बताया कि 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में भारत के पास मनोज प्रभाकर जैसे स्विंग गेंदबाज और चेतन शर्मा जैसे फुर्तीले गेंदबाज थे, लेकिन उनमें निरंतरता की कमी थी। ऐसे में जब जवागल श्रीनाथ आए, तो टीम को एक असली तेज गेंदबाज मिल गया। इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए बेंगलुरु में अभ्यास सत्र चल रहा था, जहां श्रीनाथ को टीम के बल्लेबाजों को नेट्स पर गेंदबाजी करने का मौका मिला। प्रैक्टिस के दौरान श्रीनाथ ने वेंगसरकर को एक तेज शॉर्ट पिच गेंद फेंकी। गेंद की रफ्तार इतनी थी कि वेंगसरकर का बल्ला हाथ से छूट गया। गुस्से में उन्होंने श्रीनाथ को डांटते हुए कहा, "मैच में आकर दिखाना!" श्रीनाथ ने जवाब में कुछ नहीं कहा, बस मुस्करा दिए। कुछ समय बाद देवधर ट्रॉफी में दोनों आमने-सामने हुए। उस मैच में बोर्ड प्रेसिडेंट इलेवन की कप्तानी रवि शास्त्री कर रहे थे। उन्होंने श्रीनाथ को वेंगसरकर की वही बात याद दिलाई और कहा, "पहली गेंद बाउंसर डालना।" श्रीनाथ ने कप्तान की बात मानी और पहली ही गेंद पर वेंगसरकर को फिर से झटका दे दिया इस बार भी उनका बल्ला हाथ से छूट गया। वेंगसरकर ने बाद में कहा, "बहुत तेज डालता है यह लड़का।" यही वह पल था जब श्रीनाथ ने भारतीय क्रिकेट में अपनी पहचान एक खतरनाक फास्ट बॉलर के रूप में बना ली एक ऐसा गेंदबाज जो रफ्तार से खेल की दिशा बदल सकता था।

बीसीसीआई को एशिया कप ट्रॉफी विवाद के शीघ्र हल होने की उम्मीद

आईसीसी बैठक में बीसीसीआई सचिव सैकिया के सख्त रुख का असर

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम को अबतक एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिल पायी है पर अब इसके शीघ्र मिलने की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी जीती थी पर उसने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष पाक के मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। उसके बाद नकवी ट्रॉफी लेकर चले गये थे। तभी से ही वह एसीसी मुख्यालय में रखी है। वहीं अब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि दुबई में हुई आईसीसी बैठक के बाद ट्रॉफी से जुड़ा विवाद समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, मैं आईसीसी की अनौपचारिक और औपचारिक बैठकों में शामिल था। वहां पीसीबी और एसीसी अध्यक्ष नकवी भी मौजूद थे। इस दौरान मेरी नकवी से बात हुई थी। इसके बाद लगा कि वह भी अब इस मामले को आगे नहीं खींचना चाहते हैं। ऐसे में हम भी उन्हें अपनी गलती ठीक करने का अवसर देना चाहते हैं जिससे कि ये मामला हल हो सके। भारतीय कप्तान ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए तीनों मैचों में पाक टीम से हाथ नहीं मिलाय था उससे भी पीसीबी भारतीय टीम से भड़का हुआ था। इस मामले को लेकर पीसीबी ने आईसीसी से भी शिकायत की थी। एशिया कप मैच के बाद अवार्ड समारोह में एसीसी अध्यक्ष नकवी भारतीय टीम को एशिया कप का खिताब देना चाहते थे पर भारतीय टीम ने इंकार कर दिया था। इसके बाद नकवी ट्रॉफ लेकर भाग गये थे। इस मामल की बीसीसीआई ने कड़ी आलोचना की थी।

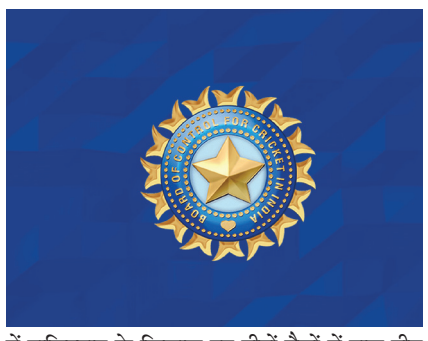

रेणुका सिंह ठाकुर : लड़कों संग खेलकर सीखी खतरनाक गेंदबाजी

» रन लेने के लिए तरसते हैं बल्लेबाज

एजेंसी, नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों से निकलकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने वो मुकाम हासिल किया है, जिस पर आज पूरा देश गर्व कर रहा है। हाल ही में वर्ल्ड कप जीतने के बाद जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई, तो पीएम मोदी ने रेणुका की मां सुनीता ठाकुर की मेहनत की तारीफ करते हुए कहा, "आपकी माता जी के लिए तो विशेष रूप से प्रणाम करूंगा। उन्होंने कठिन जीवन में आपके लिए इतना संघर्ष किया। एक मां इतनी मेहनत करें और बेटी के लिए करें, ये अपने आप में बड़ी बात है।" यह सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि एक संघर्ष, उम्मीद और सफलता की कहानी है, जहां एक साधारण गांव की बेटी ने अपने पिता का सपना पूरा किया और पूरे देश को गौरवान्वित किया।

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रोहडू उपमंडल के पारसा गांव में 2 जनवरी 1996 को जन्मी रेणुका ठाकुर का बचपन संघर्षों से भरा रहा। जब वह मात्र तीन साल की थीं, तभी उनके पिता केहर सिंह ठाकुर का निधन हो गया। पिता सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थे और खुद क्रिकेट के बड़े प्रशंसक थे। वे चाहते थे कि उनके बच्चे खेल की दुनिया में आगे बढ़ें। पिता के जाने के बाद परिवार की सारी जिम्मेदारी मां सुनीता ठाकुर पर आ गई। उन्होंने न सिर्फ घर संभाला, बल्कि रेणुका और उनके भाई विनोद ठाकुर को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया।

गांव की पाठशाला से शुरू हुई शिक्षा- रेणुका ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल (जी.एस.एस. स्कूल, धर्मशाला) से शुरू की। बचपन में वे अक्सर अपने भाई और गांव के लड़कों के साथ क्रिकेट खेला करती थीं। उनकी गेंदबाजी देखकर गांव के पीटी टीचर व रेणुका के चाचा भूपेंद्र ठाकुर इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने सुझाव दिया कि रेणुका को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) अकादमी, धर्मशाला में भेजा जाए। मां ने अपने जेठ की सलाह मानी और साल 2009 में रेणुका को एचपीसीए में दाखिला दिलाया। यही वह कदम था जिसने रेणुका की जिंदगी की दिशा बदल दी। रेणुका ने अपनी मिडल और सीनियर सेकेंडरी शिक्षा जेएव्ही सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कांगड़ा से पूरी की। इसके बाद उन्होंने गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर और खालसा कॉलेज, अमृतसर से ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की। इसी दौरान रेणुका ने पूरी गंभीरता से क्रिकेट को अपना करियर बनाने का निर्णय लिया। एचपीसीए की ट्रेनिंग और शैक्षणिक अनुशासन ने उन्हें निखारा और एक प्रोफेशनल तेज गेंदबाज बनने की दिशा में आगे बढ़ाया। अक्टूबर 2021 में रेणुका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 डेब्यू किया और फरवरी 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे डेब्यू किया। इसके बाद 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं और देश को सिल्वर मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें आईसीसी द्वारा 'इमर्जिंग वुमन क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2022' का सम्मान भी मिला।

वर्ल्ड कप में प्रदर्शन और पीएम की सराहना- हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में रेणुका ने 7 में से 5 मैच खेले और 3 विकेट हासिल किए। हालांकि आंकड़े सीमित रहे, लेकिन उनकी किफायती गेंदबाजी ने सभी को प्रभावित किया। फाइनल में उनके ओवर पर दो कैच ड्रॉप हुए, वरना आंकड़े और शानदार होते। वर्ल्ड कप जीतने के बाद जब पूरी टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली, तो पीएम ने विशेष रूप से रेणुका ठाकुर की मां की सराहना की। यह पल सिर्फ रेणुका नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल के लिए गर्व का विषय बन गया।

व्यापार

शेयर बाजार की दिशा मुद्रास्फीति और वैश्विक घटनाओं पर निर्भर करेगी

मुंबई। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा घरेलू और वैश्विक कारकों पर निर्भर करेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक विशेष रूप से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्लयूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि ये आंकड़े महंगाई की दिशा और भारतीय रिजर्व बैंक की नीतिगत रणनीति का संकेत देंगे। सप्ताह के दौरान ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और ऑयल इंडिया जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। निवेशक और विश्लेषक इन परिणामों की मदद से स्टॉक्स की दिशा और कंपनी प्रदर्शन का आकलन करेंगे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई)की गतिविधियां भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगी। इसके अलावा रुपया-डॉलर विनिमय दर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रहेगी, जो ऊर्जा क्षेत्र और निवेश धारणा पर असर डाल सकती हैं। अमेरिका में कुछ विभागों के कामकाज ठप होने (शटडाउन) के कारण महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े नहीं जारी हो पा रहे हैं, जिससे वैश्विक निवेशकों में अनिश्चितता बनी हुई है। इसके अलावा अमेरिका, भारत और चीन के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति या बाधाएं भी बाजार पर असर डाल सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी मुद्रास्फीति आंकड़े, एफपीआई प्रवाह, अमेरिकी शटडाउन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता के परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे।

कर्नाटक में गन्ना के लिए 3,300 रुपये प्रति टन मूल्य तय

बेंगलुरु। बेलगावी में गन्ना किसानों का दस दिन तक चलने वाला आंदोलन समाप्त हो गया। किसान 11.25 प्रतिशत चीनी वाले गन्ने के लिए अधिक मूल्य की मांग कर रहे थे। कर्नाटक सरकार ने किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,300 रुपये प्रति टन तय किया। चीनी मंत्री शिवानंद पाटिल ने मुदलागी तालुक के गुरलापुर चौराहे पर किसान नेताओं को सरकार के आदेश की प्रति सौंपी। इसके बाद कुछ किसानों ने प्रदर्शन वापस लिया और जश्न मनाया। हालांकि बगलकोट, मुधोल और अन्य क्षेत्रों के गन्ना किसान अभी भी असंतुष्ट हैं और विरोध जारी रखेंगे। आंदोलन बेलगावी से शुरू होकर उत्तरी कर्नाटक के विजयपुरा, हावेरी और अन्य जिलों में फैल चुका था। सरकार की नई घोषणा से किसानों के बीच असंतोष और समर्थन दोनों दिख रहे हैं।

साप्ताहिक समीक्षा : घरेलू सर्राफा बाजार में 1,160 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी के भाव में मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,22,020 रुपये से लेकर 1,22,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,11,850 रुपये से लेकर 1,12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,52,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान लगातार कमजोरी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 980 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 1,160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। सोने की चाल के विपरीत चांदी के भाव में भी साप्ताहिक आधार पर 500 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आ गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,22,170 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,22,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,22,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,11,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,22,020 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,11,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,22,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,22,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,22,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,11,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,22,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,22,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,11,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

दवा कंपनियों पर सख्ती, सीडीएससीओ ने सभी राज्यों को दिए जांच शुरू करने के निर्देश

नई दिल्ली। भारत की दवा निर्माण इकाइयों के लिए मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने सभी राज्य दवा नियंत्रकों को आदेश दिया है कि वे जल्द से जल्द दवा निर्माण इकाइयों की जांच शुरू करें। ये जांच देश के गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) गाइडलाइंस यानी रिवाइज्ड शेड्यूल एम के तहत की जाएगी। यह कदम भारत की दवा निर्माण प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में उठाया गया है। 7 नवंबर को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) एक पत्र जारी कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलर्स से कहा गया है कि हर महीने रिपोर्ट भेजें, जिसमें बताया जाए कि कितनी यूनिट्स की जांच की गई, क्या खामियां मिलीं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। रिवाइज्ड शेड्यूल एम दिसंबर 2023 में लागू किया गया था। बड़े फार्मा प्लेयर्स के लिए यह नियम 1 जनवरी 2025 से अनिवार्य हो जाएंगे, जबकि एमएसएमई कंपनियों को 31 दिसंबर 2025 तक का समय दिया गया था। देश में करीब 10,500 दवा निर्माण इकाइयां हैं, जिनमें से लगभग 8,500 एमएसएमई कैटेगरी में आती हैं। लेकिन कई छोटी यूनिट्स ने न तो एक्सटेंशन मांगा और न ही अपग्रेडेशन प्लान जमा किया। हाल के वर्षों में जहरीली दवाओं से हुई बच्चों की मौतों ने दवा क्वालिटी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मध्य प्रदेश में कफ सिरप से 24 बच्चों की मौत के बाद यह सख्ती बढ़ी है। अब सीडीएससीओ का स्पष्ट संदेश है कि क्वालिटी पर कोई समझौता नहीं होगा। जांचें तेज की जाएंगी और नियमों का उल्लंघन करने वाली यूनिट्स पर सख्त कार्रवाई होगी। इससे उम्मीद है कि भारत की दवा उद्योग में गुणवत्ता और पारदर्शिता का नया मानक स्थापित होगा।

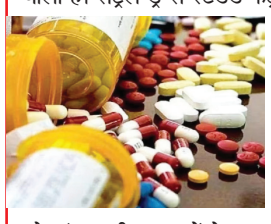

सुजुकी मोटर गुजरात और मारुति सुजुकी इंडिया के विलय को एनसीएलटी की मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के साथ सुजुकी मोटर गुजरात के विलय को मंजूरी दे दी है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने रेगुलेटरी फाइलिंग को बताया कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की दिल्ली स्थित दो सदस्यीय पीठ ने सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड (हस्तांतरणकर्ता कंपनी) और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (हस्तांतरिती कंपनी) की संयुक्त याचिका को मंजूरी दे दी है। पीठ ने इस विलय योजना के लिए नियत तारीख एक अप्रैल, 2026 प्रस्तावित की है। एनसीएलटी पीठ के अध्यक्ष रामलिंगम सुधाकर और सदस्य रवींद्र चतुर्वेदी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232 के तहत दोनों कंपनियों के प्रस्तावित विलय की योजना को मंजूरी दी है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि संबंधित प्राधिकारियों के रुख और सभी याचिकाकर्ता कंपनियों के सदस्यों और लेनदारों की स्वीकृति पर विचार करने के बाद इस योजना को मंजूरी देने में कोई बाधा नहीं है। कंपनी के मुताबिक न्यायाधिकरण ने कहा कि यह योजना दोनों याचिकाकर्ता कंपनियों, उनके शेयरधार कों, लेनदारों, कर्मचारियों और सभी संबंधित पक्षों के हित में है, और मौजूदा योजना को मंजूरी देने में कोई बाधा नहीं है। पीठ ने पाया कि आयकर विभाग और आधिकारिक परिसमापक, अहमदाबाद ने इस विचाराधीन योजना के संबंध में अपनी कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है। इसके अलावा अन्य वैधानिक प्राधिकरण जैसे आरबीआई, सेबी, बीएसई और एनएसई ने भी कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है।

सुजुकी मोटर गुजरात और मारुति सुजुकी इंडिया के विलय को एनसीएलटी की मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के साथ सुजुकी मोटर गुजरात के विलय को मंजूरी दे दी है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने रेगुलेटरी फाइलिंग को बताया कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की दिल्ली स्थित दो सदस्यीय पीठ ने सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड (हस्तांतरणकर्ता कंपनी) और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (हस्तांतरिती कंपनी) की संयुक्त याचिका को मंजूरी दे दी है। पीठ ने इस विलय योजना के लिए नियत तारीख एक अप्रैल, 2026 प्रस्तावित की है। एनसीएलटी पीठ के अध्यक्ष रामलिंगम सुधाकर और सदस्य रवींद्र चतुर्वेदी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232 के तहत दोनों कंपनियों के प्रस्तावित विलय की योजना को मंजूरी दी है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि संबंधित प्राधिकारियों के रुख और सभी याचिकाकर्ता कंपनियों के सदस्यों और लेनदारों की स्वीकृति पर विचार करने के बाद इस योजना को मंजूरी देने में कोई बाधा नहीं है। कंपनी के मुताबिक न्यायाधिकरण ने कहा कि यह योजना दोनों याचिकाकर्ता कंपनियों, उनके शेयरधार कों, लेनदारों, कर्मचारियों और सभी संबंधित पक्षों के हित में है, और मौजूदा योजना को मंजूरी देने में कोई बाधा नहीं है। पीठ ने पाया कि आयकर विभाग और आधिकारिक परिसमापक, अहमदाबाद ने इस विचाराधीन योजना के संबंध में अपनी कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है।

सुलक्षणा में असाधारण प्रतिभा थी, जितनी शोहरत मिलनी चाहिए थी, उतनी नहीं मिली

- **बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों ने सुलक्षणा के प्रति की अपनी भावनाएं साझा**

बॉलीवुड की 70-80 के दशक में अपनी खूबसूरती, मधुर आवाज और बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री और गायिका सुलक्षणा पंडित ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। उन्होंने गुरुवार को मुंबई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। अभिनेत्री का अंतिम संस्कार मुंबई में किया गया, जहां फिल्म जगत के कई जाने-माने कलाकार मौजूद थे। सभी ने नम आंखों से उन्हें विदाई दी।

इस मौके पर बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री पूनम ढिल्लों भी पहुंची। उन्होंने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि सुलक्षणा एक बेहतरीन अभिनेत्री और अद्भुत गायिका थीं। उन्होंने अपने जीवन में बहुत मुश्किलों का सामना किया। शुरुआती दिनों में सब कुछ बहुत अच्छा चल रहा था, लेकिन धीरे-धीरे उनकी हालत खराब होती चली गई। ढिल्लों ने कहा कि सुलक्षणा को जितनी शोहरत और पहचान मिलनी चाहिए थी, उतनी नहीं मिली, जबकि उनके अंदर असाधारण प्रतिभा थी।

पूनम ने आगे कहा कि सुलक्षणा पंडित के परिवार ने खासकर उनकी बहन विजयता पंडित और भाइयों जतिन-ललित ने उनके आखिरी दिनों तक उनकी अच्छे से देखभाल की। पूनम ने कहा कि मैं हमेशा विजयता पंडित से कहती रही हूं कि भगवान हर किसी को तुम्हारे जैसी बहन दे। मैं बस यही प्रार्थना करती हूं कि सुलक्षणा जहां भी हों, उन्हें शांति मिले।

सुलक्षणा की बात करें तो उनका जन्म संगीत से जुड़े परिवार में हुआ था। वे मशहूर शास्त्रीय गायक पंडित जसराज की भतीजी थीं। उनकी बहन विजयता पंडित ने भी फिल्मों में अभिनय किया, और उनके भाई जतिन-ललित हिंदी सिनेमा की मशहूर संगीतकार जोड़ी बने।

सुलक्षणा ने अपने करियर की शुरुआत गायिका के रूप में की थी। उनका पहला लोकप्रिय गाना 1967 में आई फिल्म तकदीर का सात समंदर पार से था, जिसे उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया था। इस गाने ने उन्हें पहचान दिलाई। गायन के बाद उन्होंने अभिनय की ओर रुख किया और 1975 में फिल्म उलझन में अहम किरदार निभाया। इसके बाद वह हेरा फेरी, वक्त की दीवार, अपनापन, और खानदान जैसी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने अपने समय के दिग्गज कलाकारों राजेश खन्ना, जितेंद्र, विनोद खन्ना, शशि कपूर और शत्रुघ्न सिन्हा के साथ काम किया। अपने अभिनय के साथ-साथ उन्होंने गायकी में भी योगदान दिया और 1976 में फिल्म संकल्प के गीत तू ही सागर तू ही किनारा के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता। सुलक्षणा का आखिरी प्लेबैक सॉन्ग 1996 में आई फिल्म खामोशीः द म्यूजिकल के लिए था, जिसका संगीत उनके भाइयों जतिन-ललित ने तैयार किया था। इसके बाद वह धीरे-धीरे फिल्मी दुनिया से दूर चली गईं।

‘डबल एक्सएल’ की वर्षगांठ पर सोनाक्षी ने साझा की यादें

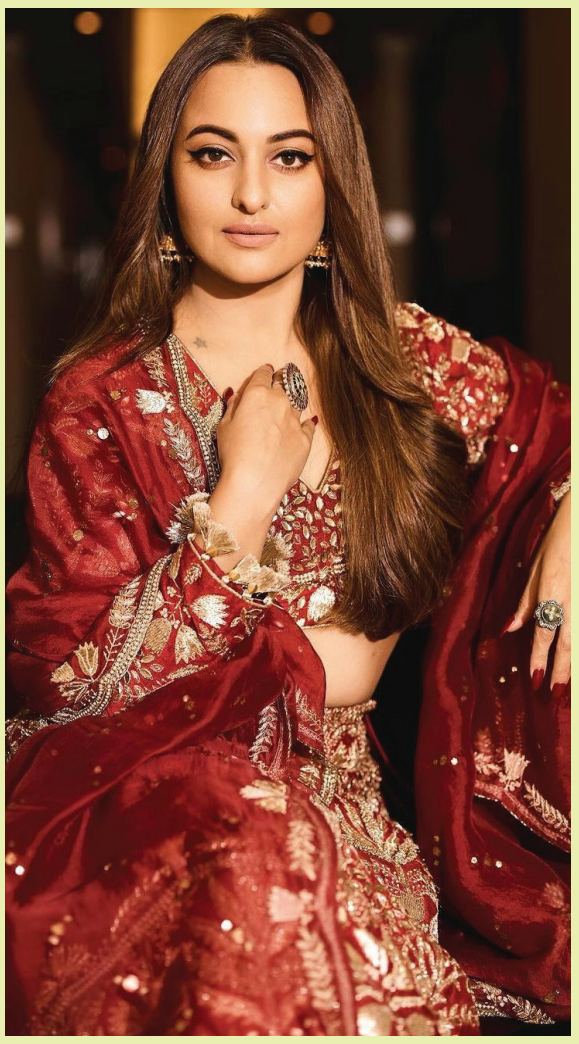

अपनी फिल्म ‘डबल एक्सएल’ की तीसरी वर्षगांठ पर अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने इसके यादगार पलों को फिर से साझा किया। इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक्ट्रेस ने फिल्म का एक भावनात्मक क्लिप शेयर किया। क्लिप में वह और हुमा कुरैशी बॉडी शेमिंग जैसे संवेदनशील मुद्दे पर बातचीत करते नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ सोनाक्षी ने कोई कैप्शन नहीं लिखा, बल्कि केवल तीन हार्ट इमोजी के जरिए अपने जज्बात बयां किए। सतराम रमाणी के निर्देशन में बनी ‘डबल एक्सएल’ साल 2022 में रिलीज हुई थी। फिल्म में सोनाक्षी, हुमा कुरैशी, महत राघवेंद्र और जहीर इकबाल ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं, जबकि क्रिकेटर शिखर धवन ने एक छोटे लेकिन यादगार कैमियो में उपस्थिति दर्ज कराई थी।

कहानी दो महिलाओं सायरा खन्ना (सोनाक्षी) और राजश्री त्रिवेदी (हुमा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समाज की बॉडी शेमिंग सोच से जूझते हुए अपने करियर और आत्मसम्मान के लिए संघर्ष करती हैं। दोनों अपने जीवन में असफलताओं और ठुकराए जाने का सामना करती हैं, लेकिन जब वे एक-दूसरे से मिलती हैं, तो उनका नजरिया और जिंदगी दोनों बदल जाती हैं। फिल्म ने रिलीज के समय समाज में मौजूद बॉडी शेमिंग जैसे गंभीर विषय को संवेदनशील और प्रेरक ढंग से प्रस्तुत किया था। हालांकि ‘डबल एक्सएल’ बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता नहीं पा सकी, लेकिन इसकी कहानी और संदेश को दर्शकों ने सराहा था। वहीं सोनाक्षी सिन्हा अब अपनी आने वाली फिल्म ‘जटाधरा’ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, राजीव कनकाला और सुभलेखा सुधाकर जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा मिलकर कर रहे हैं।

‘फोन भूत’ का क्लिप साझा कर जैकी श्रॉफ ने यादें की ताजा

बॉलीवुड की हॉरर कॉमेडी फिल्म ‘फोन भूत’ के तीन साल पूरे होने पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी यादें ताजा कीं। फिल्म का क्लिप साझा करते हुए जैकी ने कैप्शन में लिखा, “फिल्म फोन भूत के रिलीज के तीन साल पूरे हो गए हैं।” एक्टर के इस पोस्ट के बाद फैंस ने कमेंट सेक्शन में फिल्म के मजेदार पलों को याद करते हुए उन्हें बधाई दी। कहानी दो दोस्तों मेजर (सिद्धांत चतुर्वेदी) और गुल्लू (ईशान खट्टर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें भूतों का खासा शौक होता है। उनके घर की दीवारें और सजावट भूतिया माहौल का अहसास कराती हैं। एक दिन दोनों भूतिया थीम वाली पार्टी का आयोजन करते हैं, लेकिन उसी दौरान उन्हें करंट लग जाता है। इसके बाद उन्हें एक भटकती आत्मा रागिनी (कैटरीना कैफ) दिखाई देती है, जो तांत्रिक आत्माराम (जैकी श्रॉफ) से अपने प्रेमी को बचाने के लिए उनकी मदद चाहती है। रागिनी दोनों को एक बिजनेस आइडिया देती है और उन्हें “फोन भूत हेल्पलाइन” शुरू करने के लिए प्रेरित करती है, ताकि वे लोगों को भूतों से निजात दिला सकें। वह यह वादा भी करती है कि वह उन्हें पैसा और शोहरत दिलाने में मदद करेगी। शुरुआत में सब कुछ मजेदार ढंग से चलता है, लेकिन कहानी में मोड़ तब आता है जब दोनों को पता चलता है कि रागिनी असल में आत्माराम से बदला लेने के मकसद से उनके पास आई थी, क्योंकि उसी तांत्रिक ने उसकी जिंदगी तबाह कर दी थी। जैकी श्रॉफ का किरदार फिल्म में रहस्यमय और डरावना दोनों था, जिसने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। अपने करियर में जैकी अब तक 220 से ज्यादा फिल्मों में नजर आ चुके हैं। एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी हर शैली में उन्होंने अपनी अलग छाप छोड़ी है। अब अभिनेता अपनी अगली फिल्म ‘तू मेरी मैं तेरा’ में दिखाई देंगे, जिसका निर्देशन समीर विद्वांस ने किया है। इस फिल्म में जैकी के साथ नीना गुप्ता, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंट्री केडिया और किशोर अरोड़ा द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित की गई है। ‘तू मेरी मैं तेरा’ 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मालूम हो कि गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म फोन भूत में कैटरीना कैफ, सिद्धांत चतुर्वेदी, ईशान खट्टर, जैकी श्रॉफ और शीबा चड्ढा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे।

बहुत सारे खूबसूरत पल साथ लेकर जा रहा हूंः अभिषेक कुमार

अभिनेता अभिषेक कुमार ने टीवी शो पति पत्नी और पंगा को अलविदा कह दिया है। अभिषेक कुमार ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इस शो के बारे में अपने विचार और भावनाएं साझा कीं। उन्होंने लिखा, मैं बहुत सारे खूबसूरत पल साथ लेकर जा रहा हूं। क्या ही शो था, सब लोग इतने प्यारे और इतने अच्छे थे कि क्या ही बताऊं। आखिरी दिन पर मेरा अलग लेवल का एक्साइटमेंट था और इमोशनल भी था। आप सभी ने इतना प्यार दिया हमारे शो को, उसके लिए आप सभी का दिल से शुक्रिया, बस ऐसे ही अपना प्यार बनाए रखना, मिलते हैं जल्द। उनके इस पोस्ट पर अभिनेत्री हिना खान ने कमेंट किया, प्यार, प्यार और बहुत सारा प्यार मेरे बच्चे। वहीं, बालिका वधू फेम अविका गौर ने कमेंट में लिखा, मिल जल्दी।

अभिषेक ने इस मौके पर होस्ट और बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे, मुनव्वर फारूकी और कई सेलिब्रिटी जोड़ों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। इन जोड़ों में रुबिना दिलैक और अभिनव शुक्ला, स्वरा भास्कर और फहाद अहमद, सुदेश लहरी और उनकी पत्नी ममता लहरी, हिना खान और रॉकी जायसवाल, अविका गौर और मिलिंद चांदवानी, और देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी शामिल थे। बता दें कि पति, पत्नी और पंगा का फिनाले 16 नवंबर को है। इस शो को लाफ्टर शेफ सीजन 3 रिप्लेस कर रहा है। अभिषेक कुमार की बात करें तो उनका असली नाम अभिषेक पांडे था, लेकिन जब उनके को-स्टार्स ने उनकी तुलना बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार से की तो उन्होंने अपना नाम बदलकर अभिषेक कुमार रख लिया। उन्होंने करियर की शुरुआत 2018 में एक म्यूजिक वीडियो ये प्यार नहीं तो क्या है से की थी। इसके बाद, उन्होंने साल 2021 में छोटे पर्दे के सीरियल उडारियां से डेब्यू किया। उडारियां में अमरीक सिंह विर्क के किरदार से उन्हें दर्शकों का खूब प्यार मिला। अभिनेता फिर बेकाबू सीरियल में नजर आए, जिसमें उन्होंने आदित्य रायचंद का नेगेटिव किरदार निभाया। वह बिग बॉस 17 के फाइनलिस्ट रहे। मालूम हो कि टीवी शो पति पत्नी और पंगा ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। यह शो अपने मजेदार कॉन्सेप्ट और सेलिब्रिटी जोड़ों के बीच की नोक-झोंक और मस्ती के लिए जाना जाता है। शो का फिनाले करीब है। ऐसे में कलाकार और होस्ट्स सभी काफी इमोशनल हैं।

हम सभी ईश्वर की खास रचना हैं : यामी गौतम

अपनी आगामी फिल्म ‘हक’ के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री यामी गौतम ने कहा कि एक कलाकार की रचनात्मकता के पीछे हमेशा ईश्वर की कृपा होती है। यामी ने कहा, “हम सभी इस दुनिया में ईश्वर की खास रचना हैं। अभिनेत्री यामी गौतम ने कहा कि हर इंसान के भीतर एक अनोखी कला और उद्देश्य छिपा होता है, जिसे पहचानना जीवन का सबसे बड़ा अर्थ है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी असली ताकत और क्षमता को समझ लेता है, तो वह इस दुनिया को बेहतर बना सकता है। जीवन सिर्फ सांस लेने का नाम नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर की कला को पहचानने और उसे सही दिशा देने की जिम्मेदारी भी है।” अभिनेत्री ने कहा कि हर व्यक्ति किसी उद्देश्य के साथ इस धरती पर आता है और उसके भीतर एक खास प्रतिभा छिपी होती है। उनके अनुसार कला केवल अभिनय, पेंटिंग या संगीत तक सीमित नहीं है, बल्कि हर वह काम जो पूरे मन से किया जाए, वह भी एक कला है। उन्होंने कहा, “कला एक आशीर्वाद है, और यह हम पर निर्भर करता है कि हम उसे कितना सम्मान देते हैं। जब इंसान अपने काम को श्रद्धा और ईमानदारी से करता है, तो उसमें ईश्वर का स्पर्श महसूस किया जा सकता है।” यामी ने अपने जीवन और पेशे के प्रति अपने गहरे जुड़ाव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, “अगर मैं एक लेखक होती, तो मेरे लिए कलम और विचार सबसे पवित्र होते। उसी तरह, अभिनय मेरे लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि साधना है। हर किरदार के जरिए मैं किसी न किसी रूप में जीवन की सच्चाई को जीती हूं।” अपनी नई फिल्म ‘हक’ के बारे में यामी ने बताया कि यह फिल्म समाज में महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की बात करती है। फिल्म में वह एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं जिसे उसका पति तीन तलाक देकर छोड़ देता है। इसके बाद वह अपने पति से गुजारा भत्ता की मांग करने और सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ती है। यामी का कहना है कि यह कहानी सिर्फ एक महिला की नहीं, बल्कि उन सभी महिलाओं की आवाज है जो अन्याय के खिलाफ खड़ी होने की हिम्मत रखती हैं।

‘धुरंधर’ से अर्जुन रामपाल का पोस्टर रिलीज

आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर ‘धुरंधर’ को लेकर दर्शकों में पहले से ही जबरदस्त उत्सुकता है। रणवीर सिंह के इंटेंस लुक ने जहां फिल्म के प्रति रोमांच बढ़ाया था, वहीं अब अभिनेता अर्जुन रामपाल के नए पोस्टर ने फिल्म के प्रति दर्शकों का जोश और भी दोगुना कर दिया है।

जारी किए गए पोस्टर में अर्जुन रामपाल एक खतरनाक और स्टाइलिश अवतार में नजर आ रहे हैं, छोटे बाल, लंबी दाढ़ी, काले सनग्लासेज, अंगूठी और सिगार के साथ उनका गुस्सैल लुक बेहद प्रभावशाली है। इस रूप में अर्जुन न सिर्फ डर पैदा करते हैं बल्कि रहस्यमयी भी लगते हैं। रणवीर सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए उन्हें “एंजेल ऑफ डेथसी कहा और बताया कि फिल्म का ट्रेलर 12 नवंबर को रिलीज होगा।

पोस्टर सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर अर्जुन रामपाल ट्रेंड कर रहे हैं। फैंस उनके इस अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं कुछ यूजर्स का कहना है कि इस बार अर्जुन का स्क्रीन प्रेजेंस रणवीर सिंह पर भी भारी पड़ सकता है। ‘धुरंधर’ को लिखा और निर्देशित किया है आदित्य धर ने, जो पहले ‘उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक’ जैसी हिट फिल्म दे चुके हैं। फिल्म में रणवीर सिंह और अर्जुन रामपाल के अलावा संजय दत्त, अक्षय खन्ना और आर. माधवन जैसे दमदार कलाकार भी नजर आएंगे। यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर है, जिसमें देशभक्ति, राजनीति और शक्ति संघर्ष का मेल देखने को मिलेगा। ‘धुरंधर’ 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। ट्रेलर लॉन्च के लिए मेकर्स ने भव्य इवेंट की तैयारी की है, जिससे यह साफ है कि यह फिल्म इस साल की सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर साबित हो सकती है।

बॉलीवुड में फिल्म बाहुबली से बनी अनुष्का शेट्टी की पहचान

दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में फिल्मस्टार अनुष्का शेट्टी ने कई सालों से अपनी अलग पहचान स्थापित की है। सिर्फ बड़े सितारों के साथ रोमांस या हिट फिल्में करना ही उनका मकसद नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने दम पर महिला केंद्रित फिल्मों में भी नाम कमाया। साइज जीरो, रुद्रमादेवी और घाटी जैसी फिल्मों में उन्होंने यह साबित कर दिया कि एक मजबूत किरदार और कड़ी मेहनत से किसी भी हीरोइन के लिए अपने दम पर फिल्म हिट करना संभव है। अनुष्का शेट्टी ने अपनी अदाकारी और मेहनत के दम पर हर किसी का दिल जीता है। हिंदी सिनेमा के दर्शक उन्हें सबसे ज्यादा फिल्म बाहुबली से पहचानते हैं। अनुष्का शेट्टी का जन्म 7 नवंबर 1981 को कर्नाटक के मंगलुरु में हुआ था। उनका असली नाम स्वीटी शेट्टी है। उनके परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई लेना-देना नहीं था। वह बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में आगे थीं। उनकी खूबसूरती और व्यक्तित्व ने उन्हें बाकी लोगों से अलग बनाया। फिल्मों में आने से पहले अनुष्का योगा इंस्ट्रक्टर के रूप में काम करती थीं। उनकी फिटनेस और स्टाइल को देखकर एक डायरेक्टर ने उन्हें फिल्म का ऑफर दिया और इसी से उनका सिनेमा का सफर शुरू हुआ। अनुष्का ने साल 2005 में तेलुगू फिल्म सुपर से अपने करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में उन्हें नागार्जुन जैसे बड़े अभिनेता के साथ काम करने का मौका मिला। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता हासिल की, लेकिन अनुष्का की एक्टिंग और उपस्थिति ने इंडस्ट्री में उन्हें एक पहचान दिला दी। इसके बाद उन्होंने साल 2008 में शौर्यम में हिट स्टार गोपीचंद के साथ काम किया। इस फिल्म में उनकी केमिस्ट्री और अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया। साल 2009 में आई फिल्म अरुंधति ने अनुष्का की प्रतिभा को पूरी तरह सामने लाया। इसके बाद 2010 में उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म वेदम में काम किया। इस फिल्म में उनका किरदार एक वेश्या का था, जो अपने जीवन में बदलाव की कोशिश करती है। भले ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता पाई, लेकिन अनुष्का के अभिनय की जमकर तारीफ हुई। महिला केंद्रित फिल्मों में उन्होंने अपने दमदार अभिनय को साबित किया और 2015 में रुद्रमादेवी फिल्म पेश की। इस फिल्म में उन्होंने एक मजबूत महिला शासक का किरदार निभाया।

Patriotic or RSS Row over song by Kerala school students on Vande Bharat Express

New Delhi, Agency: Kerala school students singing a song at the launch of Vande Bharat Express on Saturday has triggered a slugfest after chief minister Pinarayi Vijayan alleged that students were made to sing an “RSS song”.

The students who sung the song in question belong to Saraswathi Vidyalaya.

The students who sung the song in question belong to Saraswathi Vidyalaya.

Also read: ‘If war breaks out…’: Afghanistan's big warning to Pakistan as peace talks fall flat again

Following the row, the school has reportedly written to Prime Minister Narendra Modi clarifying that the students onboard the newly inaugurated Vande Bharat Express from Ernakulam to Bengaluru were singing a patriotic Malayalam song titled "Paramapa vitramathamie Mannil Bharathambaye Poojikkan" and had no words that challenge the secular fabric or national unity of the country.

‘RSS song’ in school | What is the controversy

1. Southern Railways posts the video on X

Southern Railways posted several videos and photographs of the students onboard the newly launched Vande Bharat Express from Ernakulam to Bengaluru.

One of the posts was showed students singing the a song, a video which was later deleted following the backlash over allegations of it being an “RSS song”. In another video, the students were seen singing their school song.

CM Vijayan said that the students were singing song of

the rightwing organisation RSS (Rashtriya Swayamsevak Sangh). He condemned the act saying that including the song of the RSS in the official programme of the government is a violation of constitutional principles.

Using the country's largest public sector undertaking, the Railways, by the Sangh Parivar for spreading their alleged communal political propaganda is unacceptable, the CM was quoted as saying by news agency PTI.

By sharing on social media the singing of the RSS song on the train by the students with the caption -- 'a patriotic song' -- makes a mockery of the Southern Railway and the Indian national movement, the Marxist veteran claimed.

Congress voices opposition

Leader of Opposition in the Assembly, VD Satheesan, said that making students sing the RSS song as part of a government programme was "illegal and undemocratic".

He alleged that the BJP was trying to implement in Kerala the politics of division as seen in north India.

"Just as it uses constitutional institutions, including the Election Commission, for political purposes, the central government is now using the Indian Railways for communal propaganda," Satheesan said.

Congress Working Committee (CWC) member Ramesh Chennithala termed as "a highly despicable political conspiracy", the reported act of making students sing the RSS song onboard the Vande Bharat.

It is tantamount to insulting the nation itself, he said.

Chennithala said that all government and constitutional institutions "should show the dignity to refrain from such actions".

School reaches out to PM

As the controversy raged, the Kerala school reportedly wrote to PM Modi expressing their anguish over the turn of events. “Our humble question is: Can’t our children sing a patriotic song that praises our motherland? Such actions discourage the spirit of nationalism among young minds,” India Today quoted the school letter.

It further said that song did not contain “words or sentiments against secularism or national unity.” "It only expresses reverence towards Bharat Mata and pride in our nation," the letter read.

Five Indian nationals kidnapped by gunmen in Mali’s conflict-hit region

New Delhi, Agency: Gunmen have kidnapped five Indian nationals in Mali, their company and a security source said Friday, as the west African country reels from mounting unrest and jihadist violence.

The workers were kidnapped Thursday by gunmen near Kobri, in western Mali, the security source told AFP on condition of anonymity, saying they were employed by a company that is working on electrification projects.

We confirm the kidnapping of five Indian nationals," a company representative told AFP.

The other Indians working for the company have been evacuated to Bamako," the capital, he added.

No group has claimed the kidnappings so far.

Mali, currently ruled by a military

junta, has been struggling to contain surging unrest blamed on criminal groups and jihadists linked to Al-Qaeda and the Islamic State group.

The security situation has exacerbated an economic crisis in the impoverished country, where the Al-Qaeda-linked Group for the Support of Islam and Muslims (JNIM) has imposed a suffocating fuel blockade.

Earthquake of magnitude 5.4 strikes Andaman and Nicobar Islands

New Delhi, Agency: An earthquake measuring 5.4 on Richter scale jolted India's Andaman and Nicobar Islands at 12:06 pm (IST) on Sunday, National Center for Seismology (NCS) said. The epicenter was at 90 km, NCS said on X.

Meanwhile, German Research Centre for Geosciences (GFZ) said the magnitude of the earthquake was 6.07 on Richter scale. GFZ said the quake was at a depth of 10 km (6 miles). United States Geological Survey (USGS) said the earthquake that hit the Andaman and Nicobar Islands measured 5.5 on Richter scale.

Soon after the earthquake, Malaysia said there was no tsunami threat following the tremors.

Shallow earthquakes are generally more dangerous than deep earthquakes since the seismic waves from shallow earthquakes have a shorter

distance to travel to the surface, resulting in stronger ground shaking and potentially more damage to structures, as well as greater casualties.

Andaman and Nicobar Islands falls among the world's most seismically active belts and is categorised as Zone V seismic zone. It comprises entire northeastern India, parts of Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh, Uttaranchal, Rann of Kutch in Gujarat, parts of North Bihar and Andaman & Nicobar islands, according to the information provided by the Ministry of Earth Sciences.

22 monitoring stations log ‘severe’ AQI in Delhi: Most to least polluted areas listed

New Delhi, Agency: The air quality in the national capital remained in the ‘very poor’ category on Sunday morning, with the overall Air Quality Index (AQI) recorded at 391, according to the Central Pollution Control Board (CPCB).

Meanwhile, data from the CPCB’s Sameer app showed that 22 monitoring stations reported air quality in the ‘severe’ range, while 12 stations recorded ‘very poor’ air quality with readings above 300, as on 10:05 am on Sunday.

Since Diwali, the AQI across Delhi and the National Capital Region (NCR) has hovered in the ‘poor’ and ‘very poor’ ranges, even as Stage II of the Graded Response Action Plan (GRAP) remains in effect. However, authorities have held back on implementing GRAP Stage III, which involves stricter curbs.

Best AQI in Delhi

The monitoring station of NSIT Dwarka recorded the best AQI at 198, which falls in the

‘moderate’ category, the only location in Delhi to report an Air Quality Index below 200 on Sunday morning.

Other relatively better readings included IHBAS, Dilshad Garden (263) and Lodhi Road (307), both of which fell in the ‘poor’ range.

Delhi areas with most toxic air

The worst AQI in Delhi was reported from Bawana (438), followed by Jahangirpuri (436), Rohini (435), Wazirpur (430), Mundka (428), and Burari Crossing (428).

Other areas in the ‘severe’ category included Nehru Nagar (425), Patparganj (424), RK Puram (423), Vivek Vihar (423), ITO (421), Narela (418), and CRRI Mathura Road (416).

In several other localities such as Punjabi Bagh (415), Ashok Vihar (415), Sonia Vihar (415), Alipur (414), Anand Vihar (410), Dr Karni Singh Shooting Range (406), Chandni Chowk (405), Okhla Phase-2 (404), and Sirifort (403), the AQI remained well above 400.

Among the localities recording ‘very poor’ air, North Campus (399), Jawaharlal Nehru Stadium (391), Mandir Marg (390), Dwarka Sector-8 (388), Pusa (380), Lodhi Road (IMD) (376), Sri Aurobindo Marg (371), Aya Nagar (366), Shadipur (359), Najafgarh (357), and IGI Airport (360) were among the most affected.

According to CPCB data, Noida and Ghaziabad recorded their poorest October air quality in five years. Noida’s average AQI for October 2025 was 236, compared with 205, 202, 211, and 181 in the previous four years.

Ghaziabad, too, showed a similar trend, averaging 227 this October — higher than its past four-year range of 194 to 224.

Just Like That Delhi’s brief winter beauty, when the city rediscovers grace

New Delhi, Agency: There is a moment, somewhere between the retreat of Diwali celebrations and the arrival of Lohri’s bonfires, when Delhi changes its temperament.

The debilitating pollution dispels, the air turns sharper, the mornings stretch languidly in a fine mist, and even the trees seem to pause for reflection.

The city—so given to noise, haste, and a certain unrepentant vulgarity—slows down and rediscovers grace. It is winter in Delhi, that brief and beautiful reprieve.

Viral shows ISIS operative, rapist using phone in Bengaluru jail; Karnataka govt reacts

Bengaluru, Agency: Parappana Agrahara Central jail in Karnataka's Bengaluru has hit headlines after videos surfaced purportedly showing inmates using mobile phones, watching television, raising allegations of security lapses and preferential treatment.

Prison authorities on Saturday launched a probe after the purported videos surfaced, PTI news agency quoted sources as saying. Later, Karnataka Karnataka Home Minister G Parameshwara reacted to the reports of VIP treatment to inmates in Bengaluru central jail and said, “I won’t tolerate it.”

The inmates in the video in question showed alleged ISIS recruiter Zuhaib Hameed Shakeel Manna and a serial rapist and killer as well as several other jailed notorious criminals, according to an NDTV report. HT could not independently verify the authenticity of the video.

In the minute-long video, Manna, a Bengaluru resident, can be seen sipping tea and scrolling

through a phone as he speaks to the person recording the video. Manna, a computer application specialist, was booked by the National Investigation Agency (NIA) for his affiliation with the banned terror outfit ISIS as he raised funds and sent 'gullible' Muslim youth to join ISIS in Syria, according to a report by Indian Express.

Another video clip has surfaced showing serial rape and murder accused Umesh Reddy using three phones inside the jail. The jail staff was reportedly aware of the phones and television being used inside the jail premises. Reddy is accused in 18 cases of rape and murder and was facing death sentence which the Supreme Court commuted, converting the punishment to a 30-year life imprisonment sentence three years ago.

Reddy, whose rap sheet at one time extended to 18 murders and 20 rapes across Karnataka, Maharashtra and Gujarat, was eventually convicted in nine cases. HT earlier reported that he was sentenced to death by a sessions court in Bengaluru in 2006 for the rape and murder of a 37-year-old woman in Peenya.

Reddy reportedly joined the Central Reserve Police Force (CRPF) 1996 and was posted in Jammu and Kashmir as a guard at the house of a commandant. There, he attempted to rape the commandant’s daughter. Though he was arrested, he managed to escape and returned to Chitradurga.

As the video clips kicked up row, Karnataka Chief Minister Siddaramaiah reportedly assured to investigate the matter and take necessary action.